

# हिंदी

## कक्षा VIII

# शिक्षक साथी



केरल सरकार  
शिक्षा विभाग  
2015

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्  
केरल, तिरुवनंतपुरम

## **Teacher Text Development Team**

**Sreedharan Palayi**

GHSS Peruvallur, Malappuram

**Vahid K P**

GHSS Pang, Malappuram

**Murali Krishna G**

GHSS Pottassery, Palakkad

**Mohamed Ashraf Alungal**

Irimbilyam Govt. HSS, Malappuram

**N V Somarajan**

GHS Ayyankavu, Ernakulam

**Dr S Sivaprasad**

GHSS Aazhchavattom, Kozhikkode

**Abdul Razak V T**

PTMYHSS, Edappalam, Palakkad

### **Experts**

**Dr S Thankamani Amma**

HOD(Rtd) Dept of Hindi, University of Kerala

**Dr B Asok**

HOD Dept of Hindi, Govt Brannan College Thalassery

### **Academic Co-ordinator**

**Dr Rekha R Nair**

Research Officer, SCERT



**State Council for Educational Research and Training  
Kerala, Thiruvananthapuram**



प्रिय शिक्षक बंधुओ,

शिक्षण की सफलता पाठ्यवस्तु की वरीयता या शिक्षक की जानकारी मात्र पर आधारित नहीं है। इसके कई पहलू हैं। पाठ्यवस्तु के किन-किन बिंदुओं पर ज़ोर देना है, छात्रों के स्तर के अनुसार किन-किन प्रक्रियाओं से गुज़रना है, पाठ्यवस्तु को किस दृष्टिकोण से परखना है, भिन्न गतिवाले छात्रों के बीच एक ही पाठ्यवस्तु को कैसे परोसना है-ये सब पाठ्यवस्तु की सफल परिणति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस लक्ष्य को सामने रखकर 'शिक्षक साथी' तैयार किया गया है। इसमें गतिविधियाँ दी गई हैं, उसे सफल ढंग से चलाने में सहायक प्रक्रियाएँ दी गई हैं, भाषा उपगमन को स्पष्ट किया गया है तथा आकलन प्रक्रिया पर संकेत किया गया है।

इस 'शिक्षक साथी' का सहारा लें, साथ ही अपने सह-शिक्षकों तथा सूचना प्रौद्योगिकी (ICT) की मदद से आप आठवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक को छात्रों तक पहुँचाएँ, ताकि छात्र हिंदी से प्रेम करने लगें।

शुभकामनाओं के साथ

**डॉ.एस रवींद्रन नायर**

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं

प्रशिक्षण परिषद्, केरल



## टीचर टेक्स्ट : एक झलक...

पाठ्यचर्या को छात्रों तक पहुँचाने में केवल पाठ्यपुस्तक ही नहीं होती, उसके साथ आप की मदद के लिए कई प्रविधियाँ होती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण अंग है शिक्षक साथी जिससे छात्रों के स्तर के बारे में, गतिविधियों के बारे में, उपगमन के बारे में तथा आकलन प्रक्रिया के बारे में सही दिशा आपको प्राप्त होती है।

छात्र को केंद्र में रखकर ही पाठ्यपुस्तक का आयोजन होता है। छात्र उसका पूरा फ़ायदा उठाएँ, उसके लिए एक मेंटर (Mentor) के रूप में अधिगम गतिविधियों की पूरी जानकारी हमें होनी है। इसके लिए आवश्यक कुछ नमूने शिक्षक साथी में हैं। पाठ्यसामग्रियों का विश्लेषण किसी प्रकार की शंका के बिना करने में ये सहायक होंगे।

मोड्यूल आयोजन के नमूने दिए गए हैं। टीचिंग मैनुअल का भी नमूना है। इन नमूनों को कक्षाई वातावरण के अनुरूप आप ढाल सकते हैं। लेकिन छात्रों की पुस्तिका में लिखने और पोर्टफ़ोलियो में रखने के लिए जो कार्य दिए गये हैं, वे अवश्य करें। निर्धारित सहायक सामग्रियों का भी उपयोग करें।

पाठ्यपुस्तक के चित्रों के विश्लेषण करने में सहायक प्रश्न भी दिए गए हैं। प्रवेश गतिविधि के रूप में या विषय-वस्तु विश्लेषण के रूप में भी ये काम में लाये जा सकते हैं। उसी प्रकार कक्षाओं में जो औपचारिक और अनौपचारिक वार्तालाप होते हैं, उनके लिए भी सहायक प्रसंग और प्रश्न दिए गए हैं। आप इनके साथ छात्रों के स्तरानुकूल अधिकाधिक प्रश्न पूछें और उनसे हिंदी में बात करें।

आई.सी.टी का लाभ उठाने के प्रसंग भी कहीं कहीं सूचित हैं। विभिन्न प्रकार के आकलन के निर्देश भी हैं। समावेशी शिक्षा और अनुकूलन (Inclusive Education and Adaptation) के लिए भी पर्याप्त ध्यान अवश्य देना है। अतः छात्रों के स्तर और प्रकृति के अनुकूल अधिगम गतिविधियों में फ़ेर-बदल करने की स्वतंत्रता आप को है। लेकिन ऐसा करते वक्त पाठ्यक्रम की दृष्टि और बच्चों के अधिकारों को अवश्य ध्यान में रखें।

अधिगम गतिविधियाँ साधन मात्र हैं, साध्य छात्रों की अधिगम उपलब्धियाँ हैं। इसके लिए शिक्षक-साथी का लाभ उठाएँ।







- B'ÁE=ÉSÍEÉ ÉΠΕΙΘΗÉ-ΙΕΠΕΑΕΔΑ ΣΕΟΧΕΑΕΔΟ °ΕΙΕΠΕΙΕ\*
- +ÉVÁMÉÉ =(É+ÉI)VÉ, É'É'É'É-É'ÓIÉO UÓJÉÁ ΕΔΕ É'ÉÉ;ÉXXÉ °IÉO +ÉÉNU (É/ΣΕΕΕΕΟO É'ÉÉ;ÉXXÉ +ÉVÁMÉÉ -+V'ÁFÁÉÉ ΙΕΠΕΑΕΔΑ+ÉÉΜUΕO'UÉΑΕΔΕ ±ÉSÉO±ÉÉ(ÉXÉ\* IÉ±ÉÉΠÉΕ, +ÉΠΕ'ΑΕΑΕΔΕ °ΕΑO±ÉÉ ΕO'UÉΕ, ÉΣÍEÉXÉ ΕOΔ IÉ'ÉIÉÉ ÉG'OXÉ, °Ε'ΑΕOÉ'UÉÉ-+V'ÁFÁÉÉ, °Ε'ΑΠΕΜΕI'ÉΕO +V'ÁFÁÉÉ, JÉÉIÉ;O±ÉÉ ÉΣÍEÉXÉ, ÉΕIÉC IÉΕO B'ÁE'NUÉOΠÉ 'ÉΕCÉ NUÉÉ +ÉÉNU (ÉO'É+É\*
- 'ÉO IÉ B'ÁE'ÉÉ ÉVÉOXÉÉ ÉΠΕIÉÉ ΕO °É'ÉXÉ °É;ÉO ÉSSÉÁΕOΔ +ÉVÁMÉÉ =(É+ÉI)VÉ (ÉO;ÉO'É+É\*
- JÉO-JÉ<'ÉO) °É±ÉÉO'U'ÁFÁÉÉ °ΕA O'U IÉEO ΕΔΑ °É'ÉOÉIÉÉ °ÉA NUÉXÁÉÉ+ÉO (ÉÉ ÉΣΕ'ÁÉÉ
- JÉI'ÉEO ΕO IÉÉ ΕOΔ (ÉÉ ÁÉ'É'ÓIÉO'U)ΠÉ °IÉO ΕOΔ (ÉÉ ÁÉ'É'ÓIÉO'ÉA °É'ÉX ÉIÉ ΕO'U ΕO'UÉ ΕOΔ +{ÉXÉO} (ÉÉ ÁÉ'ÉO IÉΕΔΑ ΕOΔ) IÉÉÉO\*
- O'U)ΠÉ °IÉO ΕO °É'ÉXÉ (É/±ÉO), NUÉO ΕO IÉÉ+ÉA ΕO É+ÉB 'ÉIÉΠÉ'ÉÉ (É'ÁÉÉC'UÉÉ +V'ÁFÁÉÉ =NUÉIÉIÉ ΕO'UÉO), ΜΕΗÉIÉ, +ΑΕΜÉO +ÉÉNU IÉOXÉ ÉΕO IÉÉ+ÉA
- (É/±ÉO) °ÉA ±ÉÉO'U ΣΕΕO ΕO IÉÉ IÉEO +ΑΕΜÉO 'ÉV'É'É ΕOΔ ÉΕO IÉÉ+ÉA;ÉO\*
- ÉA O JÉ'ÉÉ B'ÁE'ÉIÉΠÉ'ÉÉ ΕO °UÉ 'ÉA'É+É'ÁÉ+É'É +V'ÁFÁÉÉ (ÉO'É'ÉΠΕΑÉ É+É\*
- JÉO-JÉ<'ÉO) ÉΠΕIÉÉ ΕO É+ÉB °É'ÉΕO IÉÉ (ÉÉ ÁÉΣÉ'ÁÉÉ;ÉXÉΕO'U +ÉΣÉÉÉ'ÉO ÉΠΕIÉÉ ΕCÉ É/Π'ÓÉÉ ÉXÉÉXÁ ΕCÉ ÉXÉNUÉ\*
- °ÉOÉXÉÉ JÉA'ÁÉÉΜÉΕOΔ (+É<C'ÓÉO.JO) ΕCÁBΕO É'ÉΠΕΑÉ (ÉÉ ÁÉ-É'É'É'É ΕO °UÉ 'ÉAXÉ/Π), (ÉÉ ÁÉ-É'É'É'ÉÉA ΕOÉ °É'ÁÉÁÉHÉ °É;O±ÉÉ ÉXÉÉXÁ ΕOΔ ={ÉÉ'ÁÉ ΕOΔ °UÉ 'ÉA JÉ'ÁÉC IÉ ΕO'UÉÉ}Π
- É'ÉΠΕΑÉ V'ÁFÁÉÉ ΕOΔ NUÉ'U'UÉ O'UÉXÁÉÉ+ÉA ÉSSÉÁΕO É+ÉB É'É'ÉVÉIÉÉ (ÉÉÉC B'ÁE'XÉ'ÉOXÉ ΠÉI IÉEO-ΙΕΠΕΑΕΔΕ °UÉ'É'ÁÉÉ ΕO'UÉ =ÉSÍEÉ +ÉEO±ÉÉ JÉGO'ÉÉBÁ;ÉO ±ÉÉΜUΕO'UÉO)Π
- +ÉVÁMÉÉ =(É+ÉI)VÉ (ÉO +ÉVÉÉ'UÉ °ÉIÉIÉ B'ÁE'ÓÉ'ÉOÉ +ÉEO±ÉÉ °ÉOXÉ'U'SÍEÉ ΕO'UÉO)Π
- °É'ÉO'ÁÉ ÉΠΕIÉÉ, ΕO±ÉÉ-ÉΠΕIÉÉ, ΕC'ÁÉÉOÉ'ÉO ÉΠΕIÉÉ +ÉÉNU ΕCÁ +ÉXÉ'ÉÉÉC (ÉÉ ÁÉ-É'É'É'ÉA ΕO °UÉ 'ÉA'ÉXÉIÉO)Π
- =SSÉ 'ÉV'ÁÉÉ'ÉEO °IÉO (ÉO °É'É'ÁÉÉO±ÉÉ (ÉÉ ÁÉ'ÉO IÉΕCÁ ΕCÉ ÉXÉ'ÉOÉ ΕO'UÉO)Π
- O'U)ΠÉ ÉΠΕIÉÉ +ÉVÉCÉO +ÉVÉXÉ'ÁÉ'É ΕO IÉ/ΠÉ +ÉVÉCÉ'UÉVÉI' OÉ ÉΠΕIÉÉ (ÉO'É+É NUÉO)Π
- ÉΠΕIÉEO ΕCÁ BEO °É/Π +É;É;É'ÉEO(mentor) ΕO °IÉO (ÉO NUÉIÉA)Π ÉSSÉÁ ΕCÁ É'ÉNUÉ+É'ÁÉ B'ÁE'EO IÉÉ 'ÉA +É'ÉΠÉEO V'ÁFÁÉÉ +ÉO 'ÉNUUÉ 'É/Π'ÉOÉ ΕO'UÉA ΕCÉ 'ÉÉCÉ JÉNUÉ ΕO'UÉO)Π
- ÉΠΕIÉΕCÁ ΕOΔ ÉI IÉEO +ÉSÉÉ'U XÉC IÉ °É/ΠÉ (code of professional ethics for school teachers) (ÉO'É+É NUÉO)Π



















Ε+Β +Ε<ϚΕΟ.]Θ ΕδΕ =(Ε+ΕΜ 1/3 ΒίρΕο °ΕΟ ΕΕ+ΕαΟύΓΕΕαΕο Ε+Β αΕ/ρV°Ενύ ±Ε;Ενρ°Εο Ε°ΕνδΕ  
1/3ΜΟ\* +Ε ΕΕΜΕ +ΕΘ οη°ΕαΕο ΝάΕΕ° ΕΕΙΕαΕδ =Ε/ρ°ΕΜΕ +ΧΕΦΕ Ε |ΕνδΕ Εο°Εα Εα +Ε<ϚΕΟ.]Θ  
°ΕΙΕ Ε 1/3 +ΕνΜΕ-Ε-ηΕαΕΟ ΕοΔ Ε ΕΕ ΈνΕΙΕ Εδα °Ε ΕΖΕΕο° +ΕνΜΕ-Ε-+ΧΕΦΕ Ε |ΕνδΕ Εο°Εα Εο Ε+Β  
;ΕΟ αΕ/ρV°Ενρ°Εο 1/3

<ΕΕΕνρ°Εο

°ΕΕ ΕΟρ°Εα ΕοΔ °ΕΙαΕΙΕ °ΕΕη°ΣΕΙΕ Εο°ΕΟ ΣΗΕ/Β\* °Ε°Εδ° +ΧΕΦΕΜ Εο ΕαΕ°Ε<]ο ΕηΕΙΕ  
ΕαΕ°Ε<]ο {ΕαΕ-Ε, ±ΕΕΜΕ, °ΕΕη°Ε+Ε ΧΕΦΕΕΦ +Ενύ ΕοΔ ΕΕ°ΙΕ ΕΕοΙΕ °ΕΕη°ΣΕΙΕ Εο°Εα Εο ΕΕνύ  
1/3 =ΧΕΕΔ = (Ε+ΕΜ Εο°Ε αΕ+Ε°ΕΕΟ °Εα=(Ε+ΕνΕ Β ΕΑ=(Ε+ΕΜ Εο°Εα+ΕΕ°Εο 1/3 +Ε<ϚΕΟ.]Θ ΕοΔ  
°ΕΕΕ ΈΕΕΒΑ-ΕΣΣΕαΕοΔ +ΕαΕ) °ΕΕΕ°Εο °ΙΕ° +Ενύ Εο +ΧΕΦΕΕ 1/3

1.10 °ΕαΕ, °ΕΕαΕΕ Ε, |ΕΕΙΕ-ΕνδΕΙΕ, °ΕΣΕ-ΕνδΕΙΕ +Ενύ-ΕγδΕαΕο ΙΕη

+V°ΕαΕ Εα °ΕΧΕ ΕΕο ΙΕΙΕ °ΕΑΕΕΕΧΕο °ΕαΕα Εο °ΕΑΕ Εα + Ε-ΕΕΕ νΕΜΕΧΕ, °Ε ΕΕΕΕο νΕΟ ΈΕ  
ΕοΔ °Εογ°-ΕΕΕαΕο °ΕΕαΕΕ Ε ΕοΔ °Ε]ο Εο°Ε, °Ε ΕΕΕΕο °ΕΣΕ-ΕνδΕΙΕ ΕοΔ-Εγδ° ΕΕ ΝάΕ +Ενύ  
{Ε ΕΕΣΕαΕΕ Εο ΣΕΙΕΙΕ °Εοηα 1/3

ΈΕ ΧΕΕΕοΙΕ +Εη°Ε ΙΕη <Ε ΕοΔ °ΕνΜΕ οΕΕ+ΕΒ °ΕΕΕΙΕ 1/3

νΕΧΕΙΕηΕΙ °Εο ΕΕΕ

Ε ΕΕ; ΈΧΕ Ε ΕΙ°Ε °ΕΙΕ- ΕαΕο ΣΕαΕ °Ε νΕΧΕΙΕηΕΙ °Εο οη]ΕοηΕ °Ε ΈΕα° ΈΕΕ 1/3 +V°ΕαΕ |ΕΓο°Ε  
Εο +ΕΕνΕ Β ΕΑ°ΕΕαηΕ Εο ΝΕΧΕ νΕΧΕΙΕηΕΙ °Εο =(ΕΜ ΈΕ +{ΈΕΕΕ 1/3 νΕΧΕΙΕηΕΙ °Εο ΕοΙΕ,  
°ΕΕΕ Εο νΕΧΕΙΕηΕΙ °ΕΕ +Ενύ Εο ΝάΕΕ° νΕΧΕΙΕηΕΙ °Εο νΕΟ ΈΕ-ηΕαΕΟ ΕδΕ °ü(ΕΕαΕ {Ε ΕΕΣΕαΕΕ  
ΕδΕ ±ΕΙαΕ 1/3

°ΕΑΕΕΕΧΕο °ΕαΕ

1/3ΕΕ° °ΕΕΈνΕ ΈνΕ °ΕαΕα +ΕΘ ±ΕΙ αΕαΕοΔ{ΕηΕ Εο°Ε 1/3 =ΧΕΕΔ |ΕΕΙΕ; ο-ΈΕ {Ε ΕΕΣΕαΕΕ Εα/ρΜΕ  
1/3 °ΕΑΕΕΕΧΕο °ΕαΕα ΕοΔ 1/3 °Ε Εο°Εα Εο Ε+Β ΕΣΣΕα ΕοΔ °ΕΙΕ Ε =ΈΕΕα ±Ε°Εο Ε ΕΙ°Ε °ΕΙΕ  
°ΕΑΕηΕ |ΕΓο°ΕΒΑ +Ενύ ΕοΔ ΣΕΕαΕ °Εαν°ΈΕ ΝάΕ 1/3

νΕ ΈΕ°ΕαΕΙΕ

Ε ΕΙ°Ε °ΕΙΕ °Ε νΕ ΈΕ°ΕαΕΙΕ ΕοΔ-Εγδ° ΕΕ ΝάΕ ±Ε°Εο °ΕΕ ΕΟρ°Εα ΕδΕ °Ε ΕΕ ΕηΕ Εο°Ε ΙΕΙΕ  
ΙΕνύΕΕ° °ΕΑΕηΕ Εο ΙΕ°Εο ΈΕη°ΣΕΙΕ Εο°Ε 1/3

°Ε/ρV°Ενρ°Ε

{Ε ΕΕΣΕαΕΕ <°Ε ΙΕΙ Ε °Εα ±ΕΙΕΙΕ 1/3 ΕΕο Ε ΕΕ; ΈΧΕ °ΕΙΕ °Ε ΈΕαΕ+ΕΕα °Εα ;ΕΟ °Ε/ρV°Ενρ°Ε Εο °ΕΕΙΕ





























## हिंदी भाषा उपगम

भारत की विभिन्न भाषा-भाषी जनता को आपस में संपर्क स्थापित करने का एकमात्र सशक्त साधन हिंदी है। केरल के छात्र पाँचवीं कक्षा में हिंदी सीखने लगते हैं। उसके पास अपनी मातृभाषा का ज्ञान होता है तथा उसके प्रयोग से भी वह वाकिफ़ है। शुरुआती दौर में मातृभाषा की यह जानकारी उसे हिंदी पढ़ने-लिखने में मदद करती है। एक ओर हिंदी भाषा की सरल रचनाओं से परिचय कराया जाएगा तो दूसरी ओर विषयसामग्री बच्चों के वय, मानसिक तथा संवेदनात्मक स्तर आदि को ध्यान में रखकर चुनी जाएगी। प्राथमिक स्तर के छात्र अत्यंत संवेदनशील होते हैं। वे सभी प्रकार की संवेदनाओं की भाषिक अभिव्यक्ति देने लगते हैं। इसके लिए एक से अधिक भाषा उसके लिए सहायक बनती है। इस मौके पर हिंदी भाषा के रूप में एक साथी मिलना उसके लिए सहारा है। अतः प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए निर्मित पाठ्यक्रम के ये उद्देश्य होते हैं-

- दैनिक जीवन में हिंदी सुनने, समझने तथा बोलने की क्षमता का विकास।
- हिंदी में लिखकर अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास।
- बाल-साहित्य सहज रूप से पढ़ने और उसका आस्वादन करने के सामर्थ्य का विकास।

उचित माहौल में आपने आप कुछ न कुछ समझने की क्षमता नैसर्गिक रूप से बालकों में होती है। जानने की इच्छा सभी बच्चों में रहती है। बच्चों के ज्ञानार्जन में यह सहायक होती है। बच्चों की इस प्रकृति से लाभ उठाना शिक्षक का कर्तव्य है। प्रत्येक बच्चे की अध्ययन गति भिन्न होती है। अध्यापिका को इसकी सही पहचान आवश्यक है। पाठ्य-सामग्रियों का चयन भी इसी लक्ष्य की पूर्ति को सामने रखकर करना है। छात्र पढ़ने में तत्पर हैं। लेकिन उन्हें यह न लगे कि वे पढ़ रहे हैं। यहाँ स्वाध्ययन की पद्धति पर बल देना समीचीन है। स्वाध्ययन में छात्रों को एक से अधिक अध्ययन प्रक्रियाओं से होकर गुज़रने का अवसर दिया जाता है, इससे वे स्वयं ज्ञान का निर्माण करने लगते हैं। अपने अनुभवों के आधार पर अर्जित ज्ञान का आकलन भी वे कर सकते हैं। यह पहले तय किया जाता है कि अमुक कक्षा के छात्र अमुक उपलब्धियाँ प्राप्त करें।

यदि सही जगह सही समय और सही आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा प्रदत्त सूचना-सामग्री की सहायता से नए ज्ञान का निर्माण करने लगते हैं। इसका पूरा पूरा लाभ उठाना शिक्षक का परम कर्तव्य है। ऐसी परिस्थिति में छात्र केंद्रित कक्षा का महत्व है। अधिगम उपलब्धियों की पूर्ति के लिए अध्यापिका छात्र-केंद्रित कक्षा में नये नये तकनीक अपना सकती है।

अध्ययन अनुभव भिन्न जीवन-संदर्भों में आसानी से हिंदी में विचार-विनिमय कर

सकने के योग्य हो। पहले छात्रों की खूबियाँ जान लें, उनकी कमियाँ अंकित करें, फिर क्षमताओं को और मज़बूत करने तथा कमियों का हल करने सहायक अध्ययन-अनुभव को प्रदान करते रहें।

बच्चे हिंदी भाषा का इस्तेमाल सिर्फ बोलने, पढ़ने, लिखने के लिए न करें, बल्कि तर्क करने, विश्लेषण करने, अनुमान लगाने तथा कल्पना और सोच को अभिव्यक्त करने के लिए भी करें।

हमारी संस्कृति कलाओं से रची-बसी है। अभिनय, संगीत आदि से बच्चों को रस तो मिलता ही है। अधिगम प्रक्रियाओं को छात्रों की मन पसंद कलाओं से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। भाषा और साहित्य पढ़ने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य हमारी संवेदनशीलता का विकास करना, मूल्यों को मानना, उनका समर्थन करना तथा अपने जीवन में लागू करना भी है। इसके लिए योग्य रचनाएँ छात्रों के सामने प्रस्तुत करें।

#### आकलन उपगम

अध्ययन (**learning**) एक स्वाभाविक और निरंतर प्रक्रिया है। यह सफल होने के लिए कक्षाई - अनुभव उद्देश्य पर आधारित और अधिगम उपलब्धियों पर केंद्रित होना चाहिए। हरेक पाठ से गुजरते समय अध्यापकों को ऐसी प्रक्रियाएँ तैयार करनी हैं जिससे छात्र उपलब्धियाँ अपना सके। छात्रों ने किन किन अधिगम उपलब्धियाँ अपनाई हैं? वे कहाँ तक सार्थक हैं? किन किन छात्रों ने अधिगम उपलब्धियाँ न अपनायी है? ऐसे छात्रों के लिए कौन-सा नया अनुभव देना है? कैसे देना है? आदि बातें आकलन से ही संभव हैं।

एक इकाई/पाठ की पूर्ति के बाद छात्रों ने क्या सीखा, यह समझने के लिए चलाई जानेवाली आकलन प्रक्रिया अध्ययन का आकलन है (**Assessment for learning**)। यहाँ अध्येता के अध्ययन के बाद की खूबियाँ व कमजोरियाँ निर्धारित की जाती हैं। यह आकलन का केवल एक स्तर है।

अध्ययन-अधिगम प्रक्रियाओं में अपने छात्र कहाँ तक पहुँच गये हैं? उन्हें कहाँ तक पहुँचाना है? इसके लिए अपने आयोजन में कौन-सा परिवर्तन लाना है? ऐसे प्रश्नों का उत्तर ढूँढना अध्ययन के लिए आकलन (**Assessment for learning**) है। अध्ययन प्रक्रिया के आयोजन और कार्यान्वयन में यह आकलन महत्वपूर्ण है।

छात्र अध्ययन करता है, साथ साथ वह अपने अध्ययन का आकलन भी करता है। यह स्व-आकलन है। इससे वह अपनी खूबियों और कमजोरियों को पहचानता है। यहाँ आकलन ही अध्ययन (**Assessment for learning**) है।

अधिगम उपलब्धियों पर आधारित उपगमन में उसके तदनुरूप आकलन उपगमन

अपनाना चाहिए। (Outcome focused assessment approach). इस आकलन उपगम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

### सतत एवं समग्र आकलन के क्षेत्र

अधिगम उपलब्धियों पर आधारित उपगम में आकलन सतत एवं समग्र होना चाहिए। समग्र का मतलब यह है कि छात्रों के सामाजिक, भावात्मक और बौद्धिक क्षेत्र है।

### सतत एवं समग्र आकलन क्षेत्र

- बौद्धिक क्षेत्र
- सामाजिक-भावात्मक क्षेत्र

### बौद्धिक क्षेत्र

छात्र जिन विषयों का अध्ययन करते हैं, ये सब बौद्धिक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। भाषा, विज्ञान, गणित, समाज विज्ञान, कला, कार्यानुभव (Work Experience), स्वास्थ्य-व्यायाम शिक्षा आदि इसमें हैं। यहाँ दो प्रकार के आकलन निर्धारित हैं।

- सतत एवं समग्र आकलन (CCA)
- कार्य-कालांत मूल्यांकन (TE)

### सतत एवं समग्र आकलन (CCA)

अधिगम उपलब्धियों पर आधारित उपगमन में आकलन सतत एवं समग्र होना चाहिए। समग्र का मतलब है कि छात्रों के सामाजिक, भावात्मक और बौद्धिक क्षेत्र। यहाँ तीन प्रकार के आकलन होते हैं।

- अधिगम प्रक्रिया का आकलन
- पोर्टफोलियो का आकलन
- इकाई आकलन

### अधिगम प्रक्रिया का आकलन

शैक्षिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए अलग व विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं का आयोजन किया जाता है। प्रक्रिया का आकलन करते समय नीचे दी गयी बातों पर ध्यान दें।

- प्रक्रिया में छात्रों की भागीदारी
- छात्रों का प्रदर्शन (Performance) और प्रस्तुतीकरण (Presentation)
- लेखनकार्य में भागीदारी

अधिगम प्रक्रिया का आकलन करते समय नीचे दिये सूचकों पर ध्यान दें।

- प्रक्रिया में भागीदारी (दायित्व खुद निभाने की तत्परता, दल में भागीदारी, आशयों का लेन-देन)
- आशय/धारणा
- दक्षताओं का अर्जन
- प्रदर्शन/प्रस्तुतीकरण (कवितालाप, अभिनय, भाषण, चित्र खींचना)
- अंकन (प्यारी किताब में छात्रों का लेखनकार्य)

भाषाई कक्षा में दक्षता प्राप्त करने के साथ साथ प्रोक्तियों की विशेषताओं की धारणा और भाषाई कौशलों का विकास भी महत्वपूर्ण है।

### पोर्टफ़ोलिओ का आकलन

अधिगम प्रक्रिया में छात्रों से रूपायित सभी उत्पन्न पोर्टफ़ोलिओ के अंतर्गत आते हैं। छात्रों का स्तर समझने में इसकी अहम् भूमिका है।

पोर्टफ़ोलिओ के निरीक्षण और आकलन से ही अभिभावक और अध्यापक छात्रों को पुनर्निवेश (Feed back) दे सकें।

पोर्टफ़ोलिओ में...

- छात्रों की प्यारी किताब
- पुस्तक में दी गई वर्कशीट
- अन्य रचनाएँ
- संकलन और अन्य सामग्रियाँ
- सृजनात्मक उत्पन्न

इनका आकलन करते समय नीचे दिए गए बिंदुओं पर ध्यान दें।

- आशय-व्यक्तता
- धारणा
- पूर्णता
- रूप-विधान
- स्पष्टता

### इकाई आकलन (Unit Assessment)

हर इकाई के अंत में अधिगम उपलब्धियों पर आधारित सतत आकलन करना है। यह कार्य-कालांत मूल्यांकन के अंतर्गत नहीं आता है। इकाई आकलन में प्रश्नोत्तरी, ऑपन बुक आकलन (Open Book Assessment) प्रश्नों की तैयारी, मौखिक अभिव्यक्ति, वर्कशीट

की पूर्ति, सृजनात्मक उत्पन्न की तैयारी..आदि हो सकते हैं। इकाई की अमुक उपलब्धी पर छात्रों का स्तर समझने में यह सहायता देगा।

### कार्य-कालांत मूल्यांकन (TE)

निश्चित समय-सीमा के अंदर पूर्वनिर्धारित अधिगम उपलब्धियाँ अपनाने में छात्र कहां तक सक्षम है, यह समझने के लिए कार्य-कालांत मूल्यांकन चलाया जाता है। इकाई में पूर्व - निर्धारित उपलब्धियों के आधार पर प्रोक्तियाँ, भाषाई तत्व, भाषाई क्षमता आदि परखे जाते हैं। प्रश्नों की तैयारी में विविधता होनी है। प्रश्न पत्र तैयार करते समय आशय/धारणा, विश्लेषण, सृजनात्मकता...आदि बातों पर ध्यान देना है।

### सामाजिक-भावात्मक क्षेत्रों का आकलन

बौद्धिक क्षेत्रों के समान सामाजिक भावात्मक क्षेत्रों का आकलन भी महत्वपूर्ण है। नीचे दी गयी बातें इसके अंतर्गत आती हैं।

- संप्रेषण क्षमता
- व्यक्त्यांतर निपुणता
- समानुभूति
- समस्या को हल करने की क्षमता
- आलोचनात्मक विचार
- सृजनात्मकता
- स्वयं पहचान

इसका मूल्यांकन भी बौद्धिक क्षेत्र के विषय सिखानेवाले शिक्षक करें। विषय की प्रक्रिया के आकलन के साथ इसका भी आकलन हो।

### पोर्टफोलिओ

पोर्टफोलिओ सतत आकलन की प्रामाणिक सामग्री है। बच्चों की पुस्तिका, पाठ्यपुस्तक की तथा अध्यापिका द्वारा दी जानेवाली वर्कशीट, सृजनात्मक गतिविधियाँ, बच्चों द्वारा तैयार किए जानेवाले प्रश्न तथा उत्तर आदि पोर्टफोलिओ में आते हैं। बच्चों द्वारा अर्जित अधिगम उपलब्धियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है पोर्टफोलिओ। अध्यापिका को चाहिए कि पोर्टफोलिओ का आकलन निरंतर करती रहे और आकलन का अंकन भी करे। पोर्टफोलियो की सभी रचनाओं का आकलन करना है, इसका उल्लेख शिक्षक साथी की हर इकाई में दिया गया है। चाहे तो अध्यापिका इसमें थोड़ा परिवर्तन कर सकती है। परंतु हर इकाई से कम से कम दो रचनाएँ पोर्टफोलिओ के आकलन के लिए अवश्य शामिल करें।



वार्षिक आयोजन - कक्षा - 8			
क्र. सं	महीना	इकाई	पाठ का नाम
1	जून	इकाई 1	शाहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा? पोल खुल गया
2	जुलाई	इकाई 1	ज्ञान मार्ग मैं इधर हूँ (अतिरिक्त वाचन)
3	अगस्त	इकाई 2	सुख-दुख पिता का प्रायश्चित्त <b>कार्यकालांत मूल्यांकन</b>
4	सितंबर	इकाई 2	मेरे बच्चे को सिखाएँ उजाला (अतिरिक्त वाचन)
5	अक्तूबर	इकाई 3	डॉक्टर के नाम मज़दूर का पत्र बात उस मंगलवार की
6	नवंबर	इकाई 3	दोहे बटेऊ (अतिरिक्त वाचन) इंद्रधनुष धरती पर उतरा
7	दिसंबर	इकाई 4	इस बारिश में <b>कार्यकालांत मूल्यांकन</b>
8	जनवरी	इकाई 4	जल-बैंक मरना (अतिरिक्त वाचन)
9	फरवरी	इकाई 5	सफेद गुड़ खूबसूरत अनुभूति है एवरेस्ट
10	मार्च	इकाई 5	वह सुबह कभी तो आएगी (अतिरिक्त वाचन) <b>वार्षिक मूल्यांकन</b>

\* अतिरिक्त वाचन से लिखित परीक्षा के लिए प्रश्न शामिल नहीं किया जाएगा।

## मैं कौन हूँ...

(ब्रिड्जिंग गतिविधि)

छात्र हाई स्कूल में नए-नए आए हैं। उनका वर्तमान स्तर पहचानना शैक्षिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक है। इसके लिए यहाँ एक गतिविधि दी जा रही है जिससे छात्रों का वर्तमान स्तर पहचान सके और उन में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ा सकें।

**समय :** 1 कालांश

**सामग्री :** फूल, बक्सा

**गतिविधि :**

बक्से के अंदर एक फूल रखें। बक्सा मेज़ पर रखें जिस पर लिखा हो “मैं कौन हूँ”। आप पूछें- बक्से में क्या होगा? छात्रों को कहने का अवसर दें। सही उत्तर मिलने तक एक एक सूचना देते रहें।

**सूचनाएँ**

- मैं आपके आस पास रहता हूँ
- मैं सब का प्यारा हूँ।
- रंग मेरी खूबी है।
- मुझ में सुगंध होती है।
- .....

सही उत्तर मिलने पर बक्सा खोलकर दिखाएँ। श्यामपट पर फूल का नाम लिखें। जैसे- गुलाब। (अलग अलग डिब्बों में विभिन्न फूलों का इस्तेमाल करें और उनके अनुसार सूचना देते रहें। जैसे - गुलाब, चंपा, चमेली, कमल ...)

- फूल के संबन्ध में मन पसंद रचना करने का निर्देश दें।
- दो तीन बच्चों की प्रस्तुति।
- छात्रों की रचनाओं का आकलन करें। टीचिंग मानुअल में छात्रों के नाम ग्रेड करके लिखें।

(A) बिना किसी की मदद से अपने आप लिखनेवाले	(B) छोटी सी मदद से लिखनेवाले	(C) ज्यादा मदद के ज़रूरतवाले
1.	1.	1.
2.	2.	2.
3.	3.	
	4.	

छात्रों के बुनियादी दल बनाएँ। इस के लिए अलग अलग तरीके अपनाएँ (इस में विभिन्न स्तर के छात्र हो।)

# <Eð<Ç1



## ज्ञान का भंडार

**यह** दुनिया ज्ञान के अनगिनत स्रोतों से भरी हुई है। उन स्रोतों को पहचानना और ज्ञान रूपी मधु का संचयन करना ही शिक्षा है। इस प्रक्रिया के दौरान सभी छात्र बन जाते हैं और एक दूसरे के लिए शिक्षक भी। जन्म से लेकर मृत्यु तक चलनेवाले ज्ञान के लेन-देन का इतिहास मानव समाज की संस्कृति का इतिहास ही है। हमें याद रखनी चाहिए कि ज्ञान किसी की निजी संपत्ति नहीं है। उसके लेन-देन में ही खुशी है।

आठवीं कक्षा की पहली इकाई इस महान संदेश का परिचय देती है। इस इकाई में “शाहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा” लोककथा शामिल की गई है जो ज्ञान संबंधी परंपरागत मान्यताओं को तोड़ती है। साथ ही पंचतंत्र से प्रेरणा पाकर रचित अज़गर वजाहत का एक एकांकी ‘ज्ञानमार्ग’ इस इकाई की शोभा बढ़ाता है। अतिरिक्त वाचन के लिए पी.मधुसूदनन की कविता “मैं इधर हूँ” दी गई है। आठवीं कक्षा से लेकर भाषाई तत्व याने व्याकरण कार्य पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। इस उद्देश्य से भाषाई तत्वों को विश्लेषित करने का कार्य भी दिया गया है।

केरल का हिंदी शिक्षक समाज नई बातों को आत्मसात करने में अग्रणी रहा है। पूरी उम्मीद है कि आप आठवीं कक्षा की नई पुस्तक को सानंद स्वीकार करेंगे। हम एक साथ आगे बढ़ें....

## इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा/प्रोक्ति/ भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
<u>चित्र</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>विभिन्न स्रोतों से हम ज्ञानार्जन कर सकते हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>चित्र वाचन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>चित्र वाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।</li> </ul>
<u>लोक कथा</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>इतिहास से जुड़े व्यक्ति भी लोक कथा के पात्र बने हैं।</li> <li>ज्ञानार्जन एक निरंतर प्रक्रिया है।</li> <li>कहानी के उचित प्रसंग को, पात्रों के संवाद जोड़कर एकांकी के रूप में विकसित कर सकते हैं।</li> <li>एकांकी की स्क्रिप्ट में पात्रों की वेशभूषा, स्थान, समय, रंगमंच आदि की सूचना होनी है।</li> <li>वर्तमानकालिक वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोक-कहानी का वाचन एवं विश्लेषण</li> <li>संवाद लेखन</li> <li>कहानी को एकांकी में बदलना।</li> <li>वाक्य - विश्लेषण</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोक-कथा का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>लोक कथा पढ़कर पात्रों के बीच का संवाद लिखता है।</li> <li>कहानी को एकांकी के रूप में बदलकर लिखता है।</li> <li>कर्ता-क्रिया की सही अन्विति समझकर प्रयोग करता है।</li> </ul>
<u>कार्टून</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>ज्ञान बाहरी दिखावा नहीं है।</li> <li>कार्टून में विषयों की व्यंग्यात्मक प्रस्तुति है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्टून का वाचन।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्टून का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।</li> </ul>

<p><b>एकांकी</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● एकांकी में समय, स्थान और कार्य की सूचना होनी है।</li> <li>● ज्ञान सबकी भलाई के लिए होता है।</li> <li>● पोस्टर आशयों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने का एक माध्यम है।</li> <li>● मंचन के लिए कथोपकथन, पात्र, रंगमंच आदि की सही जानकारी की ज़रूरत है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● एकांकी का वाचन व विश्लेषण।</li> <li>● एकांकी के मंचन संबंधी पोस्टर की तैयारी।</li> <li>● एकांकी का मंचन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● एकांकी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>● आशय के अनुकूल पोस्टर तैयार करता है।</li> <li>● एकांकी का मंचन करता है।</li> </ul>
<p><b>उक्ति</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● महापुरुषों ने ज्ञान की अनेक परिभाषाएँ दी हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● ज्ञान से संबंधित उक्तियों का संकलन एवं प्रदर्शन।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● ज्ञान से संबंधित उक्तियों का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।</li> </ul>
<p><b>कविता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता किसी विशेष आशय की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता-पाठ करना।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आशय व भाव समझकर कविता-पाठ करता है।</li> </ul>

## + 6v6v' 6- M6666 666666 : 1

### अधिगम उपलब्धि :

- चित्र वाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।
- लोक-कथा का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।
- लोक कथा पढ़कर पात्रों के बीच का संवाद लिखता है।
- कहानी को एकांकी के रूप में बदलकर लिखता है।
- कर्ता-क्रिया की सही अन्विति समझकर प्रयोग करता है।

### आशय / धारणा :

- इतिहास से जुड़े व्यक्ति भी लोककथा के पात्र बने हैं।
- ज्ञानार्जन एक निरंतर प्रक्रिया है।

### मूल्य और मनोभाव:

- जीवन में ज्ञान का निरंतर अर्जन करना है।

### सामग्री: चार्ट

### समय : 8 कालांश

## गतिविधि-1

### आप बताएँ-

- आपने फूल के संबन्ध में मनपसंद रचना की है। तो बताएं फूलों से क्या-क्या मिलते हैं?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- वांछित उत्तर 'मधु मिलता है' तक आप संवाद जारी रखें।
  - फूलों से मधु कौन-कौन लेते हैं?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया। (संभावित उत्तर - तितली, भ्रमर, मधुमक्खी...)

- मधुमक्खी की खूबियाँ क्या-क्या हैं?
- मधुमक्खी फूलों से मधु लेकर क्या करती है?
- मधुमक्खी कहाँ-कहाँ-से मधु लेती है?
- प्रतिक्रिया का अवसर
  - क्या, आपने मधुमक्खियों को देखा है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
- पन्ना सात का चित्र दिखाकर बताएं :
  - ये मधुमक्खियाँ हैं। यह एक चित्रकार की भावना है। तो बताएं, इसके द्वारा वे क्या कहना चाहते हैं?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- आप ये प्रश्न भी करें-
  - इनके पंखों की क्या विशेषता है?
  - चित्रकार ने पंखों को किसका रूप दिया है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया। (संभावित उत्तर- किताब, पन्ना,.....,.....)
- आप पूछें-
  - पन्ना किससे भरा हुआ है?
- प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- वांछित उत्तर 'ज्ञान' मिलने तक आप संवाद जारी रखें।
- आप पूछें-
  - ज्ञान कहाँ कहाँ से मिलता है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया को आप श्यामपट्ट पर सूचीबद्ध करें।
- आप प्रश्न करें-

किताब  
दोस्ती  
टी.वी  
रेडियो

.....  
.....



- मधु संकलन और ज्ञानार्जन में क्या कोई समानता है?
- चर्चा चलाएँ। आप संक्षिप्तीकरण करें।

मधुमक्खियाँ विभिन्न स्रोतों से मधु संकलन करती हैं।

उसी प्रकार ज्ञानार्जन के भी विभिन्न स्रोत हैं।

## गतिविधि-2

- आप बताएँ-
  - अब हम ज्ञानार्जन पर एक लोककथा पढ़ें, 'शाहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा।'
- पन्ना आठ की लोककथा लेने का निर्देश दें।
- शाहंशाह अकबर गंभीर चर्चा में.... से लेकर ....न जाने कितनी तरह के लोग थे। तक का वाचन करने को कहें। (पहला और दूसरा खंड)
- छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- शब्दकोश (पन्ना तेईस, चौबीस) की सहायता से अपरिचित शब्दों के अर्थ ढूँढ निकालें।
- दल में चर्चा करने का अवसर दें।
- आप दलों में जाकर, आशय ग्रहण के लिए सहायक प्रश्न पूछ कर उनकी मदद करें। जैसे-
  - अकबर ने बीरबल से कौन सी आशा प्रकट की?
  - 'अकबर का स्वागत एक विचित्र दृश्य ने किया।'- दृश्य कौन सा था?
- दलों की प्रतिक्रिया से आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों में आशयग्रहण हो रहा है।
- अब आप पूरी कक्षा के सामने यह प्रश्न रखें।
  - "बहुत सी ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं नहीं जानता" -इस कथन से अकबर का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

- अकबर का स्वागत एक विचित्र दृश्य ने किया।'- यहाँ दृश्य को विचित्र क्यों कहा गया है?
- आप सहायक प्रश्न भी करते रहें, यथा –
  - ▶ आम तौर पर राजदरबार में किस तरह के लोग मौजूद होते हैं?
  - ▶ आज दरबार किस तरह के लोगों से भरा हुआ है?
  - ▶ तो बताएं, यह दृश्य क्यों विचित्र होता है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, सुराघात-बलाघात के साथ वाचन करें।
- चुनिंदा बच्चों से वाचन करवाएँ।

### गतिविधि-3

- आप पन्ना नौ का चित्र (पाठभाग का चित्र) दिखाकर पूछें-
  - चित्र में कौन-कौन हैं?
  - चित्र में अनेक पेशेवर दिखाई देते हैं। वे कौन-कौन हैं?
- इनकी तालिका बनाने का निर्देश दें। (अनुबंध कार्य)  
जैसे-

पेशेवर	पेशा
किसान	खेती करता है।
सुनार	सोने का काम करता है।
.....	.....
.....	.....

- अनुबंध कार्य की प्रस्तुति और चर्चा।

## गतिविधि-4

- आप पूछें :
  - बीरबल का इन लोगों को दरबार में बुला लाने का उद्देश्य क्या होगा?
- छात्रों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया।
- आप कहें-
  - देखें, इन लोगों को दरबार में बुला लाने का क्या उद्देश्य है?
- **इन सबका क्या मतलब है..... तो सभी-शिक्षक भी हैं विद्यार्थी भी (पन्ना नौ, दस) तक के अंश का वैयक्तिक वाचन करने का निर्देश दें।**
- वैयक्तिक वाचन।
- दलों में चर्चा।
- आप प्रश्नों के ज़रिए दलों की मदद करें। जैसे-
  - ▶ बीरबल ने अकबर से कौन-कौन से प्रश्न पूछे?
  - ▶ .....
  - ▶ .....
- आप पूरी कक्षा से यह प्रश्न करें-
 

**“सभी शिक्षक भी हैं और विद्यार्थी भी” इसका मतलब क्या है?**
- बच्चों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया।
- आप सहायक प्रश्न भी पूछते रहें। यथा-
  - ▶ विद्यार्थी कौन होता है?
  - ▶ पढ़ाई कहाँ-कहाँ होती है?
  - ▶ पढ़ाई कब तक होती रहती है?

- ▶ तो, शिक्षक कौन होता है?
- ▶ ऐसे में बताएं, “सभी शिक्षक भी हैं और विद्यार्थी भी” इसका क्या मतलब है?
- बच्चों को प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अवसर दें।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

**ज्ञान देनेवाले और लेनेवाले अलग नहीं होते।  
हर कोई ज्ञान देनेवाला है और लेनेवाला भी।**

- आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, सुराघात-बलाघात के साथ वाचन करें।
- दो तीन छात्रों का सस्वर वाचन।

### गतिविधि-5

- आप पूछें-
  - “सभी शिक्षक भी हैं और विद्यार्थी भी”- बीरबल के इस कथन का, अकबर पर क्या असर हुआ होगा?
- बच्चों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया।
- आप कहें-
  - आगे देखें, अकबर क्या सोचते हैं।
- कहानी के शेष भाग (शाहंशाह समझ गए कि ..... समझदार गुरु मिली।) (पन्ना दस, ग्यारह) को वैयक्तिक रूप से वाचन करने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक वाचन।
- दलों में आशयों का आदान-प्रदान।
- आप आशयग्रहण के लिए प्रश्न करें (दल में जाकर)–

- 'तुम सच में भाग्यशाली हो जो तुम्हें इतनी समझदार गुरु मिली।' शाहंशाह ने यह किसके बारे में कहा है?
  - यह बूढ़ी महिला कौन होगी?
  - बीरबल ने बूढ़ी महिला को क्या कह कर परिचित कराया?
  - बूढ़ी महिला ने बुद्धिमान लोगों के संबंध में क्या कहा?
  - छात्रों की प्रतिक्रिया।
  - आप पूरी कक्षा से पूछें-
    - "हमेशा ही सीखता हूँ" इससे क्या मतलब है?
  - विश्लेषण के लिए ये प्रश्न भी करें
    - ▶ यहाँ 'हमेशा' का तात्पर्य क्या है?
    - ▶ 'सब कुछ सीख जाना संभव नहीं' ऐसा क्यों कहा होगा?
  - बच्चों की प्रतिक्रिया।
  - पूछें:
    - 'सब को यह सीखना चाहिए कि अच्छा इंसान कैसे बन जा सकता है।' आज के ज़माने में बूढ़ी महिला के इस कथन का क्या महत्व है?
  - चर्चा चलाएँ
  - आप पाठ का संक्षिप्तीकरण करें कि,
- ज्ञानार्जन जन्म से लेकर मृत्यु तक चलनेवाली प्रक्रिया है।**

**हर व्यक्ति में कोई न कोई हुनर है।**
- आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, सुराघात-बलाघात के साथ वाचन करें।
  - दो तीन छात्रों का सस्वर वाचन।

## गतिविधि-6

आप बताएँ,

- हमने लोक कथा पढ़ी,  
तो, इसके मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?  
उनकी वेशभूषा कैसी है?

बच्चों की प्रतिक्रिया।

- आप श्यामपट पर सूची-बद्ध करें।
- पाठ पुस्तक की तालिका में लिखने का अवसर दें। (पन्ना-ग्यारह)
- इसके लिए पर्याप्त समय दें।
- आगे पूछें-
  - इस कहानी के कितने प्रसंग हैं?
  - वे क्या-क्या हैं?
  - प्रत्येक प्रसंग कब और कहाँ होता है?
- चर्चा चलाएँ।
- आप प्रमुख बातों को सूची-बद्ध करें।
- पाठ पुस्तक की तालिका में लिखने का अवसर दें। (पन्ना-ग्यारह)

आप पूछें,

- प्रथम प्रसंग के पात्र कौन-कौन हैं?
- उनके बीच का संवाद क्या होगा?

- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- प्रथम प्रसंग के पात्रों के बीच का संवाद तैयार करने का निर्देश दें।
- लिखने के लिए पर्याप्त समय दें।
- दो तीन छात्रों की प्रस्तुति।

आप बताएं,

- अब हम कहानी के प्रसंगों को लेकर एकांकी लिखें।
- संवाद और तालिका की सूचनाओं के सहारे कहानी को एकांकी के रूप में लिखने का निर्देश दें।
- छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें ।
- चुनिंदा छात्रों की प्रस्तुति।
- छात्र पाठ पुस्तक की सूचना के आधार पर आकलन कार्य करें।
- एकांकी लेखन की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।
- एकांकी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

रंगमंच
पात्र
कथोपकथन

चर्चा आगे बढ़ाएं :

- मंचन के लिए रंगमंच पर क्या-क्या तैयारियाँ करनी होंगी?
- सभी दृश्यों में रंगसज्जा एक प्रकार के होते हैं, क्या?
- इसकी सूचना कहाँ दे सकते हैं?
- इसकी सूचना कैसे देंगे?
- एकांकी के सभी पात्र एक ही आयु के होते हैं, क्या?
- उनकी वेशभूषा कैसी हो?
- क्या पात्रों के हाव-भाव और चाल-चलन हमेशा एक ही प्रकार के होंगे?
- तो, उसका उल्लेख कैसे करें?
- पात्रों के संवाद की क्या खूबी है?



- सारे पात्र एक ही शैली में ही बातें करते हैं, क्या?
- तो, संवाद कैसे होने हैं?
- आप संक्षिप्तीकरण करें।
- दल में परिमार्जन करने का अवसर दें।
- हर एक दल प्रस्तुत करें।
- अपनी प्रस्तुति।
- संशोधन कार्य चलाएं।

एकांकी

(पन्ना 55, 56)

## गतिविधि-7

- अब आप यह चार्ट प्रस्तुत करें।

- ◆ बच्चा मैदान में खेलता है।
- ◆ बच्चे मैदान में खेलते हैं।
- ◆ बच्ची मैदान में खेलती है।
- ◆ बच्चियाँ मैदान में खेलती हैं।

- कर्ता-क्रिया अन्विति पर आप चर्चा चलाएं-
  - बच्चो, इन वाक्यों पर ध्यान दें।
  - इनमें रेखांकित शब्द कौन-कौन से हैं?
  - इन शब्दों में से कार्य को सूचित करने वाला कौन सा है?
  - कार्य की सूचना देनेवाले शब्द को क्या कहते हैं?
  - क्रिया के कई रूप क्यों होते हैं?
  - रेखांकित शब्दों में कार्य करनेवालों की सूचना देनेवाले शब्द कौन-कौन से हैं?
  - जो शब्द कार्य करनेवालों को सूचित करता है उसे क्या कहते हैं?

- कर्ता के भी कई रूप क्यों होते हैं?
  - किसके आधार पर कर्ता का रूप बदलता है?
  - कर्ता के विभिन्न रूपों से किन-किन का बोध होता है?
  - स्त्री-पुरुष (लिंग) और संख्या (वचन) का बोध कर्ता-पद में कैसे स्पष्ट होता है?
  - कर्ता और क्रिया पदों में से समय या काल का बोध किससे मिलता है?
  - इन वाक्यों के क्रिया पद से काल के किस रूप का बोध होता है?
  - वर्तमान काल के एक वाक्य में कर्ता और क्रिया के बीच का संबंध कैसा होगा?
  - कर्ता के रूप के अनुसार क्रिया पद में कौन सा परिवर्तन होता है?
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ वाक्य में कार्य को सूचित करनेवाला शब्द क्रिया है।
- ◆ क्रिया के कई रूप होते हैं।
- ◆ कर्ता कार्य करनेवाले को सूचित करता है।
- ◆ कर्ता के भी कई रूप होते हैं।
- ◆ कार्य करनेवाले के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है।
- ◆ वर्तमान काल के कर्ता और क्रिया पदों के अंतिम ध्वनि के परिवर्तन से लिंग-वचन का बोध होता है।

- अब आप पन्ना बारह की गतिविधि चलाएं।

- वाक्यों पर ध्यान देने का निर्देश दें।

हर शख्स आपको कुछ न कुछ सिखा सकता है।

हरेक ऐसा कुछ जानता है।

क्या आप जानते हैं?

मैं हर चीज़ को सीखना चाहता हूँ।

मैं माफ़ी चाहता हूँ।

- वाक्यों के कर्ता-क्रिया के आपसी संबंध को पहचानने का अवसर दें।
- नीचे दिए वाक्य के कर्ता का वचन और लिंग बदल कर लिखने का निर्देश दें।

मैं माफ़ी चाहता हूँ।

- छात्र वैयक्तिक रूप से यह कार्य करें।
- चुनिंदा छात्रों से प्रस्तुत करवाएं।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

### +ÉVÁŃÉ-ŃÉŃÉÉVÉÉÉÁ : 2

अधिगम उपलब्धि :

- ◆ कार्टून का विश्लेषण करता है।
- ◆ एकांकी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- ◆ आशय के अनुकूल पोस्टर तैयार करता है।
- ◆ एकांकी का मंचन करता है।

आशय / धारणा :

- ◆ ज्ञान बाहरी दिखावा नहीं है।
- ◆ कार्टून में विषयों की व्यंग्यात्मक प्रस्तुति होती है।
- ◆ एकांकी में समय, स्थान और कार्य की सूचना होनी है।

- ◆ ज्ञान सबकी भलाई के लिए होता है।
- ◆ पोस्टर आशयों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने का एक माध्यम है।
- ◆ मंचन के लिए कथोपकथन, पात्र, रंगमंच आदि की सही जानकारी की ज़रूरत है।

**समय :** 8 कालांश

**सामग्री :** कार्टून

### गतिविधि-1

ऐ.सी.टी के द्वारा कार्टूनों की प्रदर्शनी या कार्टून के कुछ नमूने दिखाएँ पृष्ठ,

- यह क्या है?
- कार्टून की विशेषता क्या-क्या हैं?
- पन्ना तेरह की कार्टून पढ़ने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक वाचन।
- आप प्रश्न करें :
  - पगडी और ज्ञान के बीच कोई संबंध है?
  - 'पगडी उतारकर दूसरे के सिर पर रखी', कारण क्या होगा?
  - पगडी में कौन सा पोल छिपा था?
- दिलों में चर्चा चलाएं।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

बाहरी दिखावा ज्ञान का मापदंड नहीं है।

### गतिविधि-2

पृष्ठ :

- ज्ञान माने क्या है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
  - देखें, 'ज्ञान' पर एक एकांकी (पाठ पुस्तिका का एकांकी 'ज्ञान मार्ग' पढ़ने का निर्देश)

“तीन राजकुमार ..... तुमको दण्ड देंगे” भाग।

- वाचन प्रक्रिया के सोपानों से गुज़रें
- पूछें,
  - ‘हर राजकुमार अपने को दूसरों से बड़ा ज्ञानी मानता है।’ असल में बड़ा ज्ञानी कौन है?
  - प्रत्येक राजकुमार अपनी क्या-क्या खूबियाँ बताता है?
- प्रातक्रिया का अवसर दें और आप संक्षिप्तीकरण करें।

### गतिविधि-3

- छात्रों को आगे पढ़ने का निर्देश दें।
- (राजकुमार दो: इधर-उधर दिखाता है..... ज्ञान तो सब की भलाई के लिए ही होता है।)- भाग
- छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- दलों में बैठकर पाठ-भाग के आशय पर विचार-विमर्श करें।
- आप दलों में जाकर आवश्यक मदद दें। प्रश्न पूछें:
  - “गुरुजी हम लोग संकट में पड़ गये हैं”-राजकुमार क्यों संकट में पड़ गए हैं?
  - राजकुमारों ने अपने ज्ञान दिखाने के लिए क्या-क्या किए?
  - उसका नतीजा क्या हुआ?

- 'वह ज्ञान, जिससे दुसरोँ का नुकसान हो, वह ज्ञान नहीं, अज्ञान है।' क्या इससे आप सहमत है? क्यों?
- चर्चा करें।
- आप पूरी कक्षा से प्रश्न करें कि-
  - राजकुमारों ने अहंकार के कारण ज्ञान का दुरुपयोग किया। इसलिए वे संकट में पड़ गये। इस प्रकार आज के ज़माने में ज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ होते हैं?
- चर्चा चलाएं।
- छात्रों की प्रतिक्रिया को आप सूची-बद्ध करें।
 

- ◆ अणु बम
  - ◆ रासायनिक हथियार
  - ◆ बी टी - बीज
  - ◆ .....
  - ◆ ..... आदि
- चर्चा आगे बढ़ाएं। यथा-
  - हिरोशिमा के बारे में आपने सुना है?
  - वहाँ क्या हुआ था?
  - उसका नतीजा क्या था?
  - .....
  - .....
- आप संक्षिप्तीकरण करें
 

ज्ञान समाज की भलाई के लिए होना है।

## गतिविधि-4

- एकांकी के मंचन की तैयारी करें।

- आप कहें
  - क्या हम नाटक का मंचन करें?
- छात्रों को दलों में बाँटें।
- हर दल निर्देशक, अभिनेता आदि का चयन करें।
- मंचन के लिए उचित तारीख, स्थान और समय चर्चा के द्वारा तय करें।
- मंचन की तैयारी के लिए पर्याप्त समय दें।
- आप पूछें:
  - क्या हम मंचन की सूचना देने वाले पोस्टर तैयार करें?

वैयक्तिक लेखन

दो-तीन छात्रों की प्रस्तुति।

पोस्टर पर चर्चा चलाएं। पूछें :

- आप का पोस्टर आशय को व्यक्त करता है?
  - उसमें स्थान, तारीख, समय, आदि की सूचना है?
  - वाक्य या चित्र आकर्षणीय है?
  - संक्षिप्तता है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
  - दलों में विचार विनिमय और परिमार्जन।
  - दलों की प्रस्तुति।
  - अपनी प्रस्तुति (टीचर वर्शन)
  - जगह जगह पर पोस्टर चिपकाने का निर्देश दें
  - निर्धारित समय पर एकांकी का मंचन करें।
  - मंचन पर चर्चा चलाएँ।
  - प्रतिक्रिया की प्रमुख बातें सूचीबद्ध करें।
  - पन्ना अठारह का आकलन कार्य करवाएँ।

### आएँ नाटक का मज़ा लें

असगर वज़ाहत का एकांकी

### ‘ज्ञान मार्ग’

1 जुलाई 2015 बुधवार

अपराह्न 3 बजे

स्कूल सभागृह में

सब का हार्दिक स्वागत

- हिन्दी मंच -

सरकारी हाईस्कूल, वयनाड



## गतिविधि-5

- निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़ने का निर्देश दें।

मैं मंत्र पढ़ता हूँ।

क्या, तुम इसमें प्राण भी डाल सकते हो?

- रेखांकित शब्दों पर ध्यान देने का निर्देश दें।
- कर्ता-क्रिया अन्विति पर चर्चा चलाएं।
- प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्दों के बीच के संबंध पर जोर दें।
- पाठ भागों से ऐसे वाक्यों को चुनकर लिखने का निर्देश दें।
- छात्र वैयक्तिक रूप से वह कार्य करें और प्रस्तुत करें।

## गतिविधि-6

संबंध कथन :

छात्रो, हम एक कहानी और एकांकी से गुज़रे हैं।

इनमें किस आशय की चर्चा हुई है?

छात्रों की प्रतिक्रिया। (वांछित उत्तर- ज्ञान)

पन्ना उन्नीस की ज्ञान संबन्धी उक्तियों को पढ़ने का निर्देश दें।

छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें और दल में विचारों का आदान-प्रदान करें।

आप आशयग्रहण के लिए आवश्यक मदद दें।

इसमें महापुरुषों की ज्ञान संबन्धी उक्तियाँ भी हैं।

इस प्रकार की अन्य उक्तियों का संकलन करने का निर्देश दें।

इसकी प्रदर्शनी चलाएं।

## गतिविधि-7

आप कहें :

- प्रदर्शनी द्वारा आपने साबित किया कि आप सब इधर हैं।  
पढ़िए कविता 'में इधर हूँ'।
- पन्ना बीस की 'में इधर हूँ' कविता पढ़ने का निर्देश दें और उचित ताल देकर प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- पूछें,  
➤ 'में इधर हूँ' यह साबित करने में ज्ञान की क्या भूमिका है?
- चर्चा चलाएँ और आप संक्षिप्तीकरण करें।

### पहचान (एकांकी)

#### पात्र:

अकबर बादशाह  
बीरबल  
बूढ़ी महिला

#### पहला दृश्य

(राज दरबार, सबेरे नौ बजे, बादशाह अकबर और बीरबल चर्चा में लगे विद्वानों को देख रहे हैं। दोनों राजकीय पोशाक में है।)

- अकबर : बीरबल, कल से हमारी पढ़ाई का इंतज़ाम करो।  
बीरबल : जहाँपनाह! पढ़ाई का इंतज़ाम? क्यों?  
अकबर : बीरबल, हम बहुत चतुर नहीं हैं। बहुत-सी ऐसी चीज़ें हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते।  
बीरबल : जैसे आपकी मर्जी, महाराज।

#### दूसरा दृश्य

(अगली सुबह, बादशाह अकबर दरबार में प्रवेश करते हैं। साथ बीरबल भी है।)

- अकबर : (अचंभे में) बीरबल, हम क्या देख रहे हैं? इतनी भीड़ क्यों?  
बीरबल : हुजूर! आपने ही कल बताया था, कुछ सीखना है।  
अकबर : इसके लिए देश की आधी जनता से राजमहल को क्यों भरा दिया?

- बीरबल : माँफी चाहता हूँ जहाँपनाह ! क्या आप जानते हैं, कैसे रेत में घंटों खेलकर मनोरंजन करना है? और बुवाई कब करनी है? कचरे में से उपयोगी चीज़ों को कैसे छँटना है? और कहाँ हरे-भरे चरागाह हैं?
- अकबर : (गुस्से से) नहीं..नहीं,हज़ार बार नहीं। पर इसका मतलब यह तो नहीं कि...
- बीरबल : (शांत स्वर में) जहाँपनाह ! यहाँ मौजूद हर शख्स आपको कुछ न कुछ सिखा सकता है।
- अकबर : कैसे?
- बीरबल : हर व्यक्ति कुछ जानता है, जो दूसरों को ज्ञात नहीं। प्रत्येक के पास कुछ ज्ञान है, कुछ हुनर है। मेरे ख्याल से अब आप समझ गये होंगे..
- अकबर : ज़रूर...। सभी शिक्षक भी हैं और विद्यार्थी भी... है न बीरबल?
- बीरबल : हाँ.. वही है, जहाँपनाह !
- (बीरबल भीड़ की ओर जाता है। कुछ समय बाद एक बूढ़ी महिला का हाथ थामकर अकबर के पास ले आता है।)
- बीरबल : महाराज ! ये मेरे पहले और श्रेष्ठ गुरुओं में से एक है।  
(बूढ़ी महिला सलाम करती है)
- महिला : हुज़ूर, सब कुछ सीखना संभव नहीं है लेकिन अच्छा इंसान कैसे बनना है यह सब को सीखना चाहिए।  
(अकबर का चेहरा खुशी से फूल उठता है)
- अकबर : बीरबल ! तुम बड़े भाग्यशाली हो कि तुम्हें इतनी बड़ी गुरु मिली हैं।
- बीरबल : धन्यवाद जहाँपनाह !
- (दोनों अकबर को सलाम करके विदा लेते हैं)

## इकाई 2



### जीने की कला

**नैतिक** मूल्यों का जीवन में बड़ा महत्व है। देखने, सुनने, समाचार पढ़ने से यह ज़ाहिर होता है कि पूरे देश से नैतिक मूल्य गिरते जा रहे हैं। यदि जीवन में उच्च आदर्शों तथा नैतिक मूल्यों को महत्व दिया जाय तो परिवार से लेकर समाज तथा समाज से लेकर राष्ट्र तक हर क्षेत्र में विकास कर सकता है। नैतिक मूल्यों के अभाव के कारण व्यक्ति के चरित्र में गिरावट आती जा रही है। चोरी, डकैती, बलात्कार, हत्याएँ.... सब इसलिए हो रही हैं कि व्यक्ति जीवन में उन आदर्शों और नैतिक मूल्यों को स्थान न दे पा रहा है। इसलिए बच्चों को आज अच्छे संस्कारों की नितांत आवश्यकता है।

समाज की ऐसी बुराइयों को साफ़ करने के लिए हमें पहला कदम शिक्षा के क्षेत्र में ही रखना चाहिए। बच्चों को मूल्यों पर आधारित शिक्षा देनी चाहिए। इस इकाई में जीवन मूल्यों पर आधारित कविता, संस्मरण, पत्र और कहानी है। इन प्रोक्तियों के ज़रिए कविता का आशय लिखने, पत्र लिखने, लघु लेख लिखने और टिप्पणी लिखने का मौका भी दिया गया है। उम्मीद है इन भाषाई तत्वों के साथ-साथ बच्चों में नैतिक मूल्यों की अवधारणा तथा प्रेरणा देने की कोशिश भी करेंगे।



**+ÉvÉvÉ É-MÉiÉÉ ÉÉvÉÉÉ : 1**

**अधिगम उपलब्धि :**

- ◆ चित्रवाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।
- ◆ कविता पढ़कर आशय ग्रहण करता है और लिखकर प्रस्तुत करता है।
- ◆ वर्ग पहली की पूर्ति करता है।

**आशय / अवधारणा :**

- ◆ कठिन मेहनत से ही सपना साकार बन जाता है।
- ◆ जीवन सुख-दुख मिश्रित है।
- ◆ सुख-दुख के मिलन से ही जीवन परिपूर्ण होता है।
- ◆ कविता का आशय लिखते समय कवि का परिचय, विषय वस्तु का उल्लेख, अपना दृष्टिकोण आदि अनिवार्य हैं।

**मूल्य और मनोभाव :**

- ◆ जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाना है।

**सामग्री :** नुस्खे

**समय :** 7 कालांश

**गतिविधि-1**

छात्रों की संख्या के अनुसार दल बनाएं। जितने दल चाहिए उतने रंगों का कागज़ लें और हरएक के छह नुस्खे बनाएँ। प्रत्येक रंग के नुस्खे में निम्नलिखित वाक्य के वाक्यांश लिखें।

**अंतरिक्ष/जगत के/रहस्यों को/खोलना/मेरा/सपना था।**

- नुस्खे के रंगों के आधार पर दल बनाएं।
- प्रत्येक दल वाक्यांशों को क्रमबद्ध करके सार्थक वाक्य बनाएं।
- दलों की प्रस्तुति।
- आप वाक्य को (अंतरिक्ष जगत के रहस्यों को खोलना मेरा सपना था।) श्यामपट पर लिखें और पूछें-

- क्या आप बता सकते हैं यह किसका सपना था?
- बच्चों की प्रतिक्रिया। (वांछित उत्तर- कल्पना चावला का सपना)  
(सातवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक के 'आसमान के लिए' पाठ से)
- आप पूछें-
  - क्या आपका कोई सपना है?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- आप कहें-
  - ठीक है, देखें पन्ना पच्चीस का चित्र।
- चित्र से गुज़रने का अवसर दें।
- आप पूछें-
  - चित्र के तकिये की विशेषता क्या है?
  - दृश्य किसकी ओर संकेत करता है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- पंक्तियाँ पढ़ने का निर्देश दें और पूछें-
  - 'सोते वक्त देखे जानेवाले सपने सच नहीं होते।' इस पर आप की राय क्या है?
  - 'सपने सच होने के लिए सोना छोड़ देना है।' इसका मतलब क्या है?
  - दृश्य और पंक्तियों में कोई संबंध है?
  - दृश्य और पंक्तियाँ क्या बताते हैं?
- चर्चा चलाएं और आप संक्षिप्तीकरण करें।

सपनों को सच करने के लिए कठिन परिश्रम करना है।

## गतिविधि-2

- आप पूछें-
  - ज़िंदगी और सपने में क्या अंतर है?
  - असली ज़िंदगी कैसी होती है?
- बच्चों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया।
  - पढ़ें, सुमित्रानंदन पंत जी की कविता 'सुख-दुख'।



- कविता की पहली आठ पंक्तियाँ पढ़ने का निर्देश दें।  
(मैं नहीं चाहता चिर सुख  
.....  
फिर शशि से ओझल हो घन!) -पन्ना छब्बीस।
- बच्चे वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- आशयग्रहण के लिए ये प्रश्न भी दें और दल में विचारों का आदान प्रदान करने का अवसर दें।
  - कवि क्या चाहते हैं?
  - 'खेल मिचौनी' से आपने क्या समझा?
  - जीवन में किस की खेल मिचौनी होती है?
  - जीवन कैसे परिपूर्ण हाता है?
  - 'खोले जीवन अपना मुख' - इसका मतलब क्या हैं?
- दलों की प्रतिक्रिया।
- आप पूछें-  
'फिर घन में ओझल हो शशि  
फिर शशि से ओझल हो घन' -यहाँ घन और शशि किन-किन के प्रतीक हैं?
- चर्चा चलाएं। दलों की प्रतिक्रिया।

### गतिविधि-3

- अगली पंक्तियों का वाचन करने का निर्देश दें।  
(जग पीड़ित है अति-दुख से  
.....  
रे इस मानव जीवन का।) पन्ना सत्ताईस।
- वैयक्तिक वाचन।
- दल में आशयों का विचार विनिमय।
- आप पूछें-
  - संसार किन-किन से उत्पीड़ित होता है?
  - कवि के अनुसार किन-किन से उत्पीड़न होता है?
  - जग जीवन कैसा सोता-जागता है?

- विरह मिलन का आलिंगन कहाँ होता है?
- 'सुख दुख की खेल मिचौनी  
खोले जीवन अपना मुख' -जीवन में हमेशा सुख ही मिलता है?
- तो जीवन क्या है?

दलों की प्रतिक्रिया।

आप पूरी कक्षा से पूछें:

**'मानव-जग में बँट जायें**

**दुख-सुख से और सुख-दुख से' -इन पंक्तियों में निहित भाव क्या है?**

- 'अविरत सुख भी उत्पीड़न'- क्या आप इससे सहमत हैं? क्यों?
- मानव जीवन का चेहरा कैसा है?

- दलों की प्रतिक्रिया।
- आप ताल-लय के साथ कविता का वाचन करें।
- कविता पाठ करने का निर्देश दें।
- उचित ताल-लय के साथ दलों की ओर से कविता की प्रस्तुति हो।

## गतिविधि-4

- अब आप कविता की रूपपरक विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।
- आप पूछें-

**इस कविता की रूपपरक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?**

ये प्रश्न भी करें:

- ▶ इनकी पंक्तियाँ कैसी हैं?
- ▶ एक छंद में कितनी पंक्तियाँ हैं?
- ▶ पहले छंद की पंक्तियाँ कैसे समाप्त होती हैं?
- ▶ कौन-कौन सी पंक्तियाँ समान हैं? (1,2,4)
- ▶ क्या कविता के बाकी छंद इसी प्रकार हैं?
- ▶ तो सारे छंदों में समान रूप से समाप्त होनेवाली पंक्तियाँ कौन-कौन सी हैं? (2,4)

- दलों में चर्चा करें।
- आगे पूछें-

- 'सुख-दुख' शब्दों की एक जोड़ी है।  
कविता में इसी प्रकार और कितनी जोड़ियाँ हैं?
- आप श्यामपट पर सूची-बद्ध करें।
  - प्रत्येक जोड़ी के शब्दों के आपसी संबंध क्या है?  
(ये सभी जोड़ियाँ विलोम/विपरीत शब्द युग्म हैं)
- कविता से शब्द-युग्मों का चयन करने का निर्देश दें। (पन्ना 28 का कार्य करें)
- आप पूछें-
  - छंद, तुक, शब्द-युग्म आदि के प्रयोग कविता में किसके लिए किया होगा?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

कविता का आंदरिक सौंदर्य होता है। साथ ही बाह्य सौंदर्य भी है। काव्य शिल्प यानि छंद, तुक, शब्द-युग्म, अलंकार आदि कविता का बाह्य सौंदर्य है।

### गतिविधि-5

- आप पूछें-
  - कविता हमसे क्या बताती है?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- 'सुख-दुख' कविता का आशय लिखने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक लेखन। दो-चार छात्रों की प्रस्तुति।
- आप पूछें-
  - कविता का आशय लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?
- चर्चा चलाएं और आप संक्षिप्तीकरण करें।

#### भूमिका

कवि का उल्लेख, कविता का विषय

#### विषय वस्तु

कविता का भाव

काव्य शिल्प का उल्लेख

#### उपसंहार

कविता पर अपना विचार



**मूल्य और मनोभाव :**

- ◆ जीवन में सत्य का पालन करना है।

**सामग्री :** संस्मरण का अंश

**समय :** 6 कालांश

### गतिविधि-1

- एक छोटा संस्मरण प्रस्तुत करते हुए 'संस्मरण' की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।

**घटना** आज से करीब पचास-पचपन बरस पहले की है। तब मैं तीसरी या चौथी कक्षा में पढ़ता था। हरियाणा में जगाधरी नाम के ज़िले के एक छोटे-से सरकारी स्कूल में। एक दिन हम सभी बच्चों को स्कूल के प्रांगण में इकट्ठा होने के लिए कहा गया। छुट्टी होने में अभी समय था इसलिए हम सोचने लगे कि आज इतनी जल्दी क्यों बुला लिया है! वैसे तो हर रोज़ स्कूल खतम होने से पहले प्रार्थना के लिए प्रांगण में बुलाया जाता था। दिन में दो बार प्रार्थना होती थी। और कभी जल्दी बुलाया जाता था तो कोई खास वजह होती थी। जैसे किसी अध्यापक के माँ-बाप की मृत्यु हो गई हो तो शोक सभा के लिए कक्षा का आखिरी घण्टा कम कर दिया जाता था और हमें घर भेज दिया जाता था। हम सोचते भी थे कि हमें जल्दी घर जाने पर खुश होना चाहिए या किसी की मृत्यु पर दुखी। ज़्यादातर हम लोग थोड़ी देर दुखी होते थे लेकिन घर जाते-जाते खुश हो जाते थे।

- आप इस गद्यांश को हाव-भाव के साथ प्रस्तुत करें।
- पूछें:
  - बच्चो, लेखक यहाँ किन-किन बातों की याद करते हैं?
  - लेखक अपने स्कूली जीवन का स्मरण कैसे करते हैं?
  - इस प्रकार अनुभवों को बारीकी से स्मरण करने को क्या कहते हैं?
- बच्चों को अपनी बातें बताने का मौका दें।
- आप संक्षिप्तीकरण करें

- ◆ संस्मरण में अपने गए-गुज़रे अनुभवों की याद की जाती है।
- ◆ संस्मरण स्वाभाविक और बारीकी से लिखा जाता है।

## गतिविधि-2

- पाठ्यपुस्तक का संस्मरण 'पिता का प्रायश्चित'(पन्ना तीस) लेने का निर्देश दें।  
(उस समय मैं सोलह बरस का था।..... कार की सर्वोसिंग भी शामिल थी)
- बच्चे वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- दलों में आशयों का आदान प्रदान करें।
- आशय ग्रहण के लिए प्रश्न करें। जैसे-
  - दक्षिण आफ्रीका में अरुण गाँधी और उनके परिवार कहाँ रहते थे?
  - अरुण गाँधी शहर जाने के हर मौके की तलाश में क्यों रहते थे?
  - अरुण गाँधी पर कौन-कौन से दायित्व सौंपे गये?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- आप पाठ भाग का वाचन करें।
- चुनिंदा छात्रों से वाचन करवाएं।

## गतिविधि-3

- संबंध कथन।
- 'मैं ने पिताजी को मीटिंग' से लेकर 'अहिंसा की यही शक्ति है।' तक वाचन करने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक वाचन। आवश्यक है तो शब्दकोश की मदद लें।
- दलों में विचार विनिमय करने का अवसर दें।
- आप पूछें-
  - पिताजी बेसब्री से अरुण गाँधी का इंतज़ार कर रहे थे। क्यों?
  - अरुण गाँधी को किस बात का अंदाज़ा नहीं था?
  - घर तक की अठारह मील की दूरी मणिलाल गाँधी ने पैदल चलने का निर्णय किया। क्यों?
  - 'मैं कभी झूठ नहीं बोलूँगा।' अरुण गाँधी के ऐसा निर्णय लेने का कारण क्या था?
  - 'अन्य पालकों की तरह सज़ा नहीं दी।' इससे क्या फ़ायदा मिली?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।

- आप पाठभाग के विश्लेषण के लिए प्रश्न करें। जैसे-
  - 'अरुण गाँधी को यह बताने में शर्म आयी कि वे जॉन बेन की पश्चिमी फिल्म देख रहे थे।' क्यों?
  - वह झूठ बोला 'कार तैयार नहीं थी इसलिए देर हो गयी।' -इस तरह झूठ बोलना क्या सही है? क्यों?
  - 'घर तक की अठारह मील की दूरी पैदल चल कर ही तय करूँगा।' - मनीलाल गाँधी की इस निर्णय से आप सहमत हैं? क्यों?
- चर्चा चलाएँ। बच्चों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।
- आप पाठभाग का वाचन करें।
- दो तीन बच्चों को सस्वर वाचन करने का अवसर दें।

#### गतिविधि-4

- आप पूछें-
  - संस्मरण कैसा लगा? अरुण गाँधी के निर्णय पर आपके विचार क्या हैं?
- बच्चों की प्रतिक्रिया। आप बताएँ-
 

**अरुण गाँधी ने अपने इस अनुभव को दोस्त से बाँटना चाहा। उसने अपने मित्र को पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें।**
- वैयक्तिक लेखन।
- दो चार प्रस्तुति।
- पत्र की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए सूचकों को सूची-बद्ध करें।
 

(स्थान, तारीख, संबोधन, स्वनिर्देश.....)
- पन्ना तैतीस के सूचकों के आधार पर आकलन करने का निर्देश दें।
- दलों में चर्चा करें और पत्र का परिमार्जन करें।
- दलों की प्रस्तुति।
- अपनी प्रस्तुति।
- आप संशोधन कार्य करें।

संशोधन करते वक्त चिह्न परक संशोधन, आशय परक संशोधन, संरचना परक संशोधन (शब्दों का क्रम, छोटे शब्द, अधिक शब्द) रूप परक संशोधन, वर्तनी परक संशोधन, प्रोक्ति परक संशोधन पर ध्यान दें।

## गतिविधि-5

- पन्ना बत्तीस के सही मिलान का कार्य चलाएँ।
- प्रथम गोल दायरे के शब्दों का वाचन करके अर्थ पहचानने का निर्देश दें।
- दूसरे दायरे से समान अर्थ वाले शब्दों को ढूँढ निकालने को कहें।
- आप आवश्यक मदद दें।
- शब्दों को सही मिलान करके लिखें और पेश करें

वर्ष	-	बरस
सुदूर	-	दूरदराज
प्रदेश	-	इलाका
अवसर	-	मौका
प्रतीक्षा	-	इंतज़ार
ढूँढ	-	तलाश

## गतिविधि-6

- आप पन्ना बत्तीस लेने को कहें।
- 'अर्थभेद समझें' पढ़ने का निर्देश दें। चर्चा चलाएँ :
  - बच्चो! वाक्यों की पहली जोड़ी पर ध्यान दें।
  - इन वाक्यों के क्रिया-पद कौन-कौन से हैं?
  - पहले वाक्य के क्रिया-पद से दूसरे वाक्य के क्रिया-पद का क्या अंतर है?
  - 'रहता है' और 'रहता था' में अर्थ की दृष्टि से क्या फ़र्क है?
  - यहाँ 'कार्य के होने' और 'कार्य की समाप्ति' का बोध किससे होता है?
  - क्रिया के वर्तमानकालिक और भूतकालिक रूपों में क्या अंतर है?
  - 'है' और 'था' के बीच क्या कोई संबंध है?
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

- ◆ 'रहता है' क्रिया का वर्तमानकालिक रूप है जबकि 'रहता था' भूतकाल को सूचित करता है।
- ◆ क्रिया के रूप परिवर्तन से काल के विभिन्न रूपों का भी परिचय मिलता है।
- ◆ 'कार्य के होने' का बोध वर्तमान काल से होता है और भूतकाल से 'कार्य की समाप्ति' का बोध होता है।
- ◆ 'था', 'है' का भूतकालिक रूप है।





- लिंकन ने अपने बच्चे को हारना सिखाने को कहा है। इसका कारण क्या होगा?
- बदमाशों को आसानी से काबू में किया जाने के लिए क्या-क्या सीखना है?
- बच्चे दल में आशयों का आदान प्रदान करें। प्रश्नों की प्रतिक्रिया करें।
- आप पाठ भाग के विश्लेषण के लिए पूरी कक्षा से ये प्रश्न भी करें-
  - मेहनत से कमाया एक पैसा भी हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।- इस पर अपना दृष्टिकोण क्या है? क्यों?
  - मेहनत से कमाये पैसे का मूल्य क्यों बढ़ता है?
  - बदमाशों को आसानी से काबू में किया जा सकता है। इससे से क्या फायदा है?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
- अपने वाचन के बाद दो चार बच्चों से सस्वर वाचन करवाएं।

## गतिविधि-2

- आप पूछें-
  - लिंकन ने अपने बच्चे के अध्यापक से और क्या-क्या बताए होंगे?
- पत्र के बाकी भाग पढ़ने का निर्देश दें।
 

**(अगर संभव हो तो..... क्या करना संभव है।)**
- बच्चे वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- दलों में विचार विमर्श करें।
- आशय ग्रहण के लिए प्रश्न पूछें। यथा-
  - किताबों की मनमोहक दुनिया के अलावा प्रकृति की किन-किन चीजों की प्रेरणा लिंकन अपने बच्चे को देते हैं?
  - सभी लोग गलत कहे, तो भी किस बात पर अडिग रहना है?
  - लोगों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
  - अच्छाई का ग्रहण कैसे करें?

- आलोचकों और चाटूकारों से कैसा बर्ताव करना है?
- चिल्लाती भीड़ के सामने खड़ा होकर किसके लिए जूझना है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- आप पाठ भाग के विश्लेषण के लिए ये प्रश्न भी पूछें-
  - 'नकल करके पास होने से फेल होना बेहतर है।' -लिनकन के इन विचारों से क्या आप सहमत हैं? क्यों?
  - 'भीड़ से अलग होकर अपना रास्ता बनाना' का मतलब क्या है?
  - आलोचकों को नज़र अंदाज़ करने और चाटूकारों से सावधान रहने से क्या फ़ायदा है?
  - 'बहुत लाड़ प्यार से बिगाड़े नहीं' -लिनकन ने ऐसा क्यों कहा होगा?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- अपना वाचन। दो तीन बच्चों का सस्वर वाचन।

### गतिविधि-3

- आप पूछें-
  - अब्रहाम लिनकन के इस पत्र की कौन सी बात आप को अच्छी लगी?
- लिखने का निर्देश दें।
- चुनिंदा छात्रों की प्रस्तुति।
- आप सूचीबद्ध करें और पूछें-
  - इन बातों को पसंद करने का कारण क्या है?
- चर्चा के दौरान आप संक्षिप्तीकरण करें कि 'इनमें कुछ न कुछ मूल्य है'।
- आप बताएं-
  - एक आदर्श व्यक्ति बनने के लिए कुछ न कुछ मूल्यों को अपनाना है। इस पत्र के आधार पर बताएं कि क्या-क्या मूल्य होने चाहिए?
- बच्चों की प्रतिक्रिया को आप सूची-बद्ध करें।

- ◆ सच बोलना
- ◆ स्वार्थी न होना
- ◆ देशप्रेमी बनना
- ◆ विश्वास पर अडिग रहना
- ◆ प्रकृति की रक्षा करना
- ◆ .....

- प्रस्तुत बिंदुओं की सहायता से 'सफल जीवन' विषय पर लघु लेख तैयार करने का निर्देश दें।
- छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें।
- चुनिंदा छात्रों से प्रस्तुत करवाएं।
- लघु लेख की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।
- संक्षिप्तीकरण करें

- ◆ विषय की प्रस्तुति और विश्लेषण
- ◆ आशय की क्रमबद्धता
- ◆ उचित भाषा का प्रयोग
- ◆ विषय पर अपना दृष्टिकोण
- ◆ उचित शीर्षक

- पन्ना छत्तीस का आकलन कार्य करवाएं।
- दलों में चर्चा चलाएं और लेख का परिमार्जन करें।
- दलों द्वारा प्रस्तुति।
- अपनी प्रस्तुति पेश करें।
- संशोधन कार्य चलाएं।

### जीने की कला

कहा गया है, कोई सौ साल की ज़िंदगी में एक पल नहीं जी पाता तो कोई एक पल में सौ साल की ज़िंदगी जी लेता है। सही कहा है कि सिर्फ सांस लेने का नाम जीना नहीं। सफल जीवन के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना है। हमें अच्छे रास्ते पर आगे बढ़ना है। साथ ही गलत बात को पहचान कर उससे दूर रखने की हिम्मत भी रखनी है। ज़िंदगी में जीत ही नहीं हार भी है। हमें हार का भी सामना करना पड़ेगा। हर दुख का हँस कर सामना करने में ही ज़िंदगी की जीत है। प्रकृति के सौंदर्य का आस्वादन करने के साथ ही किताबों की दुनिया से ज़रूर गुज़रना है। भीड़ में अपनी पहचान बनाने की ताकत बढ़ानी है। दूसरों के लिए जीने की कला सीखनी है। हमेशा सत्य, धैर्य और अच्छाई का ही साथ देना है।

### गतिविधि-4

संबंध कथन:

- 'दूसरों के लिए जीना' असल में जीने की एक कला है। ज़रा, 'उजाला' कहानी पर ध्यान दें।
- कहानी का वाचन करके आने का निर्देश दें।
- प्रस्तुत कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा चलाएं और उस पर एक टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।
- टिप्पणी की प्रस्तुति।

# <Eđ<Ç3



## एक दूसरे के लिए काम आएं

**समाज** के सभी सदस्यों को सारी सुविधाओं का समान अवसर प्राप्त होना हमारा सपना रहा है। संसाधनों के असंतुलित वितरण की वजह से लोगों में अमीर-गरीब का विभाजन अभी भी मौजूद है। ऐसे समाज में गरीब और ज़रूरतमंद लोगों पर विशेष ध्यान देना हमारा फ़र्ज़ है। कई लोग ऐसे हैं, जो गरीबों की दशा पर ज़्यादा संवेदनशील हैं। वे दूसरों के बुरे रवैये पर नखुशी जताते हैं। यह नखुशी कभा-कभी सृजन कार्य (साहित्य) का विषय भी रहा है।

आठवीं कक्षा की तीसरी इकाई अंधकार में दिया जलानेवाले लोगों की संवेदनशीलता की परिचायक है। विख्यात जर्मन कवि बर्तोल्ड ब्रेख्त की 'डॉक्टर के नाम मज़दूर का पत्र' कविता, सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक और कार्यकर्त्री डॉ.रमणी अटकुरी की डायरी, कबीर व रहीम के दोहे, लोककथा 'बटेऊ' आदि इस इकाई की खासियतें हैं। इन विधाओं से गुज़रते हुए छात्रों को कविता का आशय लिखने, कविता पाठ करने, टिप्पणी लिखने, अनुवाद करने व देवनागरी अंकों का परिचय पाने का मौका ज़रूर मिलेगा।

आपसे निवेदन है कि कक्षा में उपरोक्त रचनाओं से संबंधित गतिविधियाँ चलाने के लिए आप पर्याप्त तैयारियाँ करें। मुबारकबात !









- आवश्यक है तो अपने-अपने शीर्षक पर पुनर्विचार और परिमार्जन करने का अवसर दें।
- अधिकतम बच्चों को शीर्षक प्रस्तुत करके उसकी सार्थकता स्थापित करने का अवसर दें।
- नमूने के लिए आप यह शीर्षक प्रस्तुत करें

‘साथी हैं हम साथी हैं  
खून चूसने साथ हैं।’

- आप शीर्षक पर प्रश्न करें-
  - यहाँ साथी कौन-कौन हो सकते हैं?
  - चिकित्सा के क्षेत्र में दूसरों का शोषण करनेवाले कौन-कौन होते हैं?
- चर्चा चलाएँ और संक्षिप्तीकरण करें

कुछ डॉक्टर और कुछ आस्पतालों के मालिक मरीजों का शोषण करते हैं।

## गतिविधि-2

आप पूछें-

- तो ऐसे डॉक्टरों से आप कुछ कहना चाहेंगे?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें। आप कहें-
  - यहाँ कवि डॉक्टर से कुछ कहना चाहते हैं।
  - देखें, बर्तोल्ड ब्रेख्त की कविता ‘डॉक्टर के नाम मज़दूर का पत्र।’

हमें मालूम है.....जिसे सब जानते हैं/पर कहता कोई नहीं।(पहली उनतीस पंक्तियाँ) पढ़ने का निर्देश दें।

- बच्चे वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- आवश्यकता पडने पर शब्दकोश की मदद लेने का निर्देश दें।
- दल में वाचन और विश्लेषण करने का अवसर दें।
- आप सहायता के लिए ये प्रश्न प्रस्तुत करें और चर्चा चलाएं।
  - ‘सिर्फ तुम्हीं (डॉक्टर) हमें बचा सकते हो’ - मज़दूर ऐसा क्यों कहता होगा?
  - ‘बीमारी का कारण जानते हुए भी कोई बताता नहीं।’ ऐसा क्यों होगा?

- 'जनता के पैसे से तुम ने डॉक्टरी की शिक्षा पायी है।' इसका क्या मतलब है।
- 'तब तो तुम हमें अवश्य अच्छा कर सकोगे।' मज़दूर ऐसा विश्वास क्यों रखता है?
- दलों की प्रतिक्रिया और आप ये प्रश्न भी पूछें-
  - यहाँ 'चिथड़े' मज़दूर की कौन सी हालत की ओर इशारा करता है?
  - 'एक नज़र शरीर के चिथड़ों पर डालो'-से मज़दूर क्या कहना चाहता है?
- आप विश्लेषण के लिए ये प्रश्न करें-
  - यहाँ 'नंगे जिस्मों की आवाज़' का क्या मतलब है?
  - 'चिथड़े खींचकर सुनते हो तुम नंगे जिस्मों की आवाज़' से कवि क्या कहना चाहते हैं।
  - 'शरीर के चिथड़े' का क्या तात्पर्य है?
  - यहाँ 'चिथड़े' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है। दोनों में क्या अंतर है?
  - 'शरीर और कपड़े के घिस-मिट जाने का कारण, शरीर के भीतर खोजने के बजाय बाहर खोजना है।' - मज़दूर ऐसा क्यों चाहता होगा?
  - मज़दूर की बीमारी का असली कारण सब जानते हैं, पर कोई उसपर चर्चा नहीं करते हैं। ऐसा क्यों है?
- दलों की प्रतिक्रिया के लिए पर्याप्त समय दें।
- आवश्यकता पडने पर आप वाचन करें।

### गतिविधि-3

आप कहें: देखें, मज़दूर आगे क्या कहता है।

'तुम कहते हो.....वह है गरीबी' तक की पंक्तियाँ पढ़ने का अवसर दें।

- बच्चे वैयक्तिक रूप से वाचन करें और उसके बाद दलों में पाठभाग का विश्लेषण करें।
- आप आशय ग्रहण के लिए पर्याप्त प्रश्न पूछें।
- विश्लेषण के लिए ये प्रश्न पूछें-
 

**'डॉक्टर**

**तुम्हीं बताओ-यह सीलन कहाँ से आई?'-आप की राय में सीलन कहाँ से आई होगी?**

  - सहायता के लिए ये प्रश्न करें-
    - किस तरह के लोगों के घरों में लगातार नमी और सीलन रहती है?
    - नमी और सीलन किन-किन की ओर संकेत करती हैं?
    - वज़न बढ़ाने में मज़दूर क्यों असमर्थ है?

- दलदली घास का खुशक रहना और मज़दूर का वज़न बढ़ाने में क्या संबंध है?
- दलों की प्रतिक्रिया और आप विश्लेषण के लिए प्रश्न पूछें।  
‘तुम्हारे घर के एक कालीन की कीमत पाँच हज़ार मरीज़ों से मिली फीस के बराबर है।’- यह कैसी सामाजिक स्थिति की ओर संकेत करती है?
- सहायता के लिए ये प्रश्न करें-
  - ‘मज़दूर के घर की सीलन’, ‘डॉक्टर के घर का कालीन’ ये दोनों एक ही समाज में होते हैं, क्यों?
  - गरीबी मज़दूर की बीमारी का कारण कैसे बन जाती है?
- आप चर्चा चलाएँ और संक्षिप्तीकरण करें।

गरीबी मज़दूर के शरीर चिथडा हो जाने का कारण बन जाती है। गरीबी से ही मज़दूर के घर में नमी और सीलन है। गरीबी के द्वारा मज़दूर दुबला है।

आप कविता पाठ करें और दो-चार बच्चों से सस्वर वाचन कराएँ।

## गतिविधि-4

आप पूछें-

- आपकी राय में इस कविता की कौन सी पंक्ति बहुत प्रभावशाली है? क्यों?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।  
‘तुम्हारे पास कितना वक्त है हम जैसों के लिए?’ ये पंक्तियाँ आप श्यामपट पर लिखें और पूछें-
  - आज के समाज में इस प्रश्न की प्रासंगिकता क्या है?
  - यह प्रश्न किन-किन की ओर इशारा करता है ?
- बच्चों की प्रतिक्रिया को आप सूची-बद्ध करें।  
जैसे- अध्यापक, लिपिक, डॉक्टर.....
- आप इसकी ओर इशारा करते हुए कहें-
  - इन लोगों में समर्पण भावना के साथ काम करनेवाले भी अनेक हैं।  
क्या, आप ऐसे किसी का नाम बता सकते हैं?
- छात्रों को प्रतिक्रिया प्रकट करने का अवसर दें। आप निर्देश दें-

- अपने कर्तव्य निभाने में समर्पण भावना रखनेवाले किसी व्यक्ति का अभिनंदन करते हुए एक पत्र लिखें।
- वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर दें और चुनिंदा छात्रों से प्रस्तुत करवाएं।
- आप पत्र की विशेषताओं पर चर्चा चलाएं और प्रमुख बातों को सूची-बद्ध करें।
- आप पन्ना उनचास का आकलन कार्य करवाएं।
- दल में परिमार्जन करने का पर्याप्त समय दें।
- दलों की ओर से प्रस्तुति करवाएं।
- ज़रूरी है तो अपनी प्रस्तुति पेश करें।
- संशोधन कार्य चलाएं।
- पत्रों का संकलन करके मीठे पन्ने बनाएं।

### गतिविधि-5

- आप पन्ना पचास के शीर्षक नुस्खे में लिखकर एक-एक दल को दें।  
(आवश्यक है तो और भी शीर्षक दें)
- दलों में शीर्षक का वाचन और संबंधित घटनाओं पर चर्चा करने का अवसर दें।
- प्रत्येक दल को एक समान घटना या अनुभव प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- आप पूछें-
  - इन घटनाओं की विशेषता क्या है?
- छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें। आप कहें :
  - समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीते हैं पढ़ें- एक डॉक्टर की डायरी

**‘आज मंगलवार है....स्वादिष्ट हो गया’** (पन्ना इक्कावन और बावन) तक के पाठ भाग पढ़ने का अवसर दें।

- वैयक्तिक रूप से वाचन करने के लिए पर्याप्त समय दें।
- छात्रों को दलों में आदान प्रदान करने का अवसर दें।
- आप आशय ग्रहण के लिए आवश्यक प्रश्न भी करें।
- विश्लेषण के लिए आप ये प्रश्न पूछें-
  - डॉ.रमणी अटकुरी और उनके साथी उतने कष्ट सहकर बाह्यनी गाँव पहुँचे। इसके कारण क्या-क्या होंगे?

- 'दिन भर की मेहनत और बरसात की हलकी ठंडक में भोजन और भी स्वादिष्ट हो गया।'—रमणी अटकुरी ऐसा महसूस क्यों करती होगी?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
- चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ
- आवश्यक है तो आप पाठ भाग का वाचन करें।

## गतिविधि-6

आप बताएं-

- अभयारण्य की क्लीनिक में आगे क्या हुआ होगा?  
देखें, पाठ का शेष भाग।
- 'मेरे काम का एक.....इंतज़ार रहता है' तक वाचन करने का अवसर दें।
- वैयक्तिक रूप से वाचन करने का पर्याप्त समय दें।
- दल में चर्चा करने का अवसर दें।
- आशय ग्रहण के लिए आप आवश्यक प्रश्न करें और सहायता दें।
- आप विश्लेषण के लिए ये प्रश्न पूछें-
  - मरीज़ों को इनजक्शन पर बड़ा विश्वास है। क्यों?
  - 'यह सब काम एक पढ़ा लिखा डॉक्टर करता है।'—लोगों के इस मनोभाव का कारण क्या है?
  - 'इसी काम का मुझे रोज़ इंतज़ार रहता है।'— डॉ.रमणी अटकुरी के इन शब्दों का अर्थ क्या है?
  - 'यही जंगल के बीच ये सभी मेरे क्लीनिक हैं।'—इससे आपने क्या समझा?
- दलों को अपनी राय प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- चुनिंदे छात्रों का सस्वर वाचन करवाएं।
- आवश्यक है तो आप पाठ भाग का वाचन करें।

## गतिविधि-7

आप पूछें-

- आम डॉक्टर की तुलना में रमणी अटकुरी कैसे भिन्न है?
- चर्चा करें और प्रमुख मुद्दों को सूची-बद्ध करें।

- ◆ मूसलदार बारिश में भी मुसीबतें सहते हुए जंगली इलाके में पहुँचना।
- ◆ गरीब मरीजों को बहुत देर तक इलाज करना।
- ◆ कच्ची झोंपड़ी पर रहना।
- ◆ पैदल नदी पारकर गरीब लोगों का इलाज करना।
- ◆ लैट-पंखे के बिना बीच जंगल में एक कच्ची झोंपड़ी में मरीजों को देखना। ज़मीन पर सोना।
- ◆ .....
- ◆ .....

- इन बातों की सहायता से रमणी अटकुरी की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर दें।
- दो-तीन बच्चों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- आप पूछें—
  - डॉ.रमणी अटकुरी की चरित्रगत विशेषताएँ लिखते समय ध्यान देने की बातें क्या- क्या हैं?

चर्चा करें और सूचकों को सूची-बद्ध करें।

- ◆ उचित शीर्षक।
- ◆ डॉ.रमणी के चरित्र पर प्रकाश डालनेवाली घटनाओं का उल्लेख।
- ◆ डॉ.रमणी अटकुरी के विशिष्ट मनोभाव की सूचना।
- ◆ समग्र रूप से डॉ.रमणी के चरित्र का चित्रण।

- दलों में प्रस्तुत करके चर्चा करें और परिमार्जन करें।
- दलों द्वारा प्रस्तुतीकरण।
- आवश्यकता पडने पर आप अपनी प्रस्तुति पेश करें।

## गतिविधि-8

आप बताएं

- यहाँ हमने देखा है डॉ.रमणी अटकुरी का चरित्र एक आदर्श डॉक्टर का है। हम रमणी अटकुरी को एक आदर्श डॉक्टर क्यों मानते हैं?

चर्चा चलाएं और प्रमुख बातों को सूची-बद्ध करें।

- ◆ कर्तव्यनिष्ठा
- ◆ ईमानदारी
- ◆ सामाजिक जिम्मेदारी
- ◆ गरीबों के प्रति अनुताप
- ◆ काम के प्रति अर्पण मनोभाव
- ◆ .....
- ◆ .....

आप बताएं-

तो आपके दृष्टिकोण में एक डॉक्टर के गुण क्या-क्या हैं? डॉक्टर से संबंधित बातों से शृंखला आगे बढ़ाएं

धर्म, जाति, अर्थ आदि के भेदभाव के बिना अपना कर्ताव्य निभाना।

- ◆ दिन-रात मरीजों की सेवा करने को तैयार।
- ◆ मुसीबतों का सामना करके कर्तव्य निभाने को तैयार।
- ◆ किसी भी जगह में काम करने को तैयार।
- ◆ .....
- ◆ .....

- आप शृंखला की सहायता से टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक रूप से लिखने का समय दें और चुनिंदा छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका दें।
- दलों में परिमार्जन करने का अवसर दें।
- दलों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- आवश्यकता पडने पर आप अपनी प्रस्तुति पेश करें।

#### डॉक्टर

एक मरीज के लिए डॉक्टर भगवान से कम नहीं होता। उसका पूरा भरोसा डॉक्टर पर होता है। ऐसे में डॉक्टर की जिम्मेदारी और बढ़ती है। कर्तव्यनिष्ठता डॉक्टर का ऐसा गुण है जिसे उसे कभी नहीं भूलना चाहिए। चाहे रात हो या दिन, सुबह हो या शाम हर वक्त डॉक्टर को मरीजों के लिए वक्त निकालना चाहिए। एक डॉक्टर अपने मरीजों के प्रति समभाव रखता है। उनकी परेशानियों को अपनी परेशानी समझता है। उनके दुख को अपना दुख मानता है। अपने पेशे को वह सिर्फ पैसा कमाने का उपाय नहीं समझता।



## गतिविधि-9

- पन्ना चौवन का चित्र देखने का निर्देश दें।
- चित्र के आशय के अनुकूल वैयक्तिक रूप से संवाद जोड़ने का निर्देश दें।
- दो-तीन बच्चों की प्रस्तुति।
- आप मलयालम के ये संवाद देकर हिंदी में अनुवाद करने को कहें।

മുത്തശ്ശാ, എന്ത് ചെയ്യുന്നു?

മരം നടുകയാണ് മോനേ.

ഈ പ്രായത്തിൽ മരം നടുന്നത് കൊണ്ട് എന്താ പ്രയോജനം?

ആ മരങ്ങൾ നോക്കൂ. അവയൊന്നും ഞാൻ നടതല്ലല്ലോ

- वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर दें।
- दो-तीन छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- अनुवाद की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।
  - अनुवाद करते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

### संक्षिप्तीकरण।

लक्ष्य भाषा और स्रोतभाषा की अपनी शैली होती है।  
स्रोत भाषा का आशय लक्ष्य भाषा में आना चाहिए।

- दल में परिमार्जन करने का अवसर दें।
- दलों को प्रस्तुत करने का मौका दें।
- आप अपनी प्रस्तुति पेश करें और संशोधन कार्य चलाएँ।

## गतिविधि-10

आप बताएँ-

- चित्रकथा में हम ने बुढापे में भी समाज के लिए भलाई करनेवाले को देखा। समाज में रहकर दूसरों के प्रति कुछ-न-कुछ करना चाहिए। पढ़ें, ऐसा संदेश देनेवाली एक रचना।

- पन्ना पचपन लेने का निर्देश दें
- कबीर के दोहे का वैयक्तिक वाचन करने का अवसर दें।

दोहा
दोहा एक छंद है। दोहे के पहले और तीसरे चरण में तेरह मात्राएँ होती हैं तथा दूसरे और चौथे में ग्यारह मात्राएँ। इस प्रकार प्रत्येक दल में चौबीस मात्राएँ रहती हैं। दूसरे और चौथे चरण की तुक मिलती है।

- आप आशय ग्रहण के लिए प्रश्न पूछें-
  - खजूर पेड़ की क्या विशेषता है?
  - बड़े लोगों की तुलना खजूर पेड़ से करते हुए कबीर क्या कहना चाहते हैं?
- दल में चर्चा करके आशय लेने का अवसर दें।
- दलों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।
- आवश्यकता पडने पर आप दोहे का वाचन करें।
- आप बताएँ-
  - अब हम इसी तरह का एक और दोहा पढ़ें।
- रहीम का दोहा पढने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक रूप से वाचन करने का पर्याप्त समय दें।
- आशय ग्रहण के लिए आवश्यक प्रश्न पूछें-
  - मेहंदी और धन्य नर में क्या समानता है?
- दल में चर्चा करके आशय लेने का अवसर दें।
- दलों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।
- आवश्यकता पडने पर आप दोहे का वाचन करें।
- आप आगे पूछें-
  - इन दोहों की पंक्तियों की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
- छात्रों की प्रतिक्रिया

(प्रत्येक पंक्ति को अल्पविराम द्वारा विभाजित किया गया है। तुकांत पंक्ति है।)

- दोहे के संबंध में पन्ना पचपन का अनुच्छेद भी पढ़ने का निर्देश दें।
- उसके आधार पर दोहे की विशेषताओं पर आप चर्चा चलाएँ।
- आप दोहों का आशय लिखने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर दें।
- दो-तीन छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका दें।
- दलों में परिमार्जन करने का अवसर दें।
- दलों को प्रस्तुत करने का मौका दें।
- आवश्यकता पडने पर आप अपनी प्रस्तुति पेश करें और संशोधन कार्य चलाएँ।

### गतिविधि-11

- आप अनुबंध कार्य के रूप में **बटेऊ** कहानी पढ़ने का निर्देश दें।
- ये प्रश्न करें-
  - यहाँ बटेऊ शब्द के अर्थ क्या-क्या हैं?
  - अतिथियों को बिठाकर उनकी पूजा करना, आरती उतारना और उनके साथ भोजन करना ये बातें क्या संदेश देते हैं?
  - जाट की चरित्रगत विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

आप चर्चा करें और पन्ना उनसठ का कार्य करने का निर्देश दें।

- जाट की चरित्रगत विशेषताएँ चुनकर लिखने का अवसर दें।

### गतिविधि-12

- आप पन्ना उनसठ के कैलेंडर का परिचय पाने का निर्देश दें।
  - क्या आप इस कैलेंडर के अंकों की लिपि से परिचित हैं?
  - यह किस भाषा की अंक लिपि है?
  - इस लिपि से आप अधिक से अधिक अंक लिख सकें, ज़रा कोशिश करें..

- आप कुछ संख्याओं को श्यामपट पर लिखें। जैसे- 45,108,254,1258.....
- आप इन संख्याओं को हिंदी की संख्या लिपि में लिखने का निर्देश दें।
- आप छात्रों की जन्म-तिथि इस लिपि में लिखने का निर्देश दें।
- आप पन्ना साठ लेने का निर्देश दें।
- पदसूर्य से परिचय पाने का निर्देश दें। आप पूछें-
  - जुलाई कितवाँ महीना है?
  - अक्तूबर कितवाँ महीना है?

- **पन्ना साठ का लेखन कार्य लेने का निर्देश दें, इसके लिए पन्ना इकसठ की सहायता लें।**
- **तालिका की सहायता से किताब के पन्नों में संख्यावाचक शब्द लिखने का निर्देश दें।**

## इकाई 4



यह आप भी जानते हैं...

**प्रकृति** अपने आप चलने वाली एक ताल-रागात्मक व्यवस्था है। इसमें हर प्राणी को अपना अस्तित्व बनाए रखने का विधान है। यहाँ एक के अस्तित्व के लिए दूसरों का होना अनिवार्य है। मगर मनुष्यों का अंधाधुंध शोषण, अतिक्रमण और अत्याचार से प्रकृति का यह अनोखा संतुलन बिगड़ता जा रहा है। नतीजन अकाल, सूखा, बाढ़, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, भूकंप आदि के प्रकोप का सामना करना पड़ता है। इस गंभीर समस्या की ओर छात्रों का ध्यान आकृष्ट करना अध्यापक समाज का दायित्व है।

चौथी इकाई उपरोक्त महत्वपूर्ण विषय पर केंद्रित है। इसमें चित्रकथा, कविता और व्यंग्य लेख शामिल हैं। अतिरिक्त वाचन के लिए एक हाईकू कविता भी दी गई है। इन प्रोक्तियों से गुजरते हुए छात्र लेख, आस्वादन टिप्पणी, नारा और पोस्टर रचने की क्षमता प्राप्त करेंगे। आपसे गुजारिश है कि आप इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कक्षा को प्रक्रियाबद्ध बनाएं और छात्रों को आवश्यक मदद दें। शुभकामनाएं...

## इकाई रूपरेखा

आशय/अवधारणा/प्रोक्ति/ भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
<p><b>चित्र-कथा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● चित्र-कथा में चित्र और कथा का समान महत्व है।</li> <li>● चित्र-कथा के चित्र, कथा के विस्तार हैं।</li> <li>● चित्र-कथा में कथा संक्षिप्त रूप से लिखी जाती है।</li> <li>● प्रकृति का मानवीकरण चित्र-कथा में भी संभव है।</li> <li>● चित्र-कथा रसीली कथा शैली है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● चित्र-कथा का वाचन</li> <li>● चित्रों का विश्लेषण</li> <li>● निबंध का लेखन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● चित्र-कथा का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>● लेख तैयार करता है।</li> </ul>
<p><b>कविता</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता मन की भावनाओं की स्वाभाविक और काव्यात्मक अभिव्यक्ति है।</li> <li>● बिंबों और प्रतीकों द्वारा कविता को नया अर्थ-बोध प्राप्त होता है।</li> <li>● आज के किसान कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं।</li> <li>● आस्वादन टिप्पणी पाठकों की मौलिक अभिव्यक्ति है।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता का वाचन</li> <li>● आशय का विश्लेषण</li> <li>● आस्वादन टिप्पणी का लेखन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>● कविता पर आस्वादन टिप्पणी तैयार करता है।</li> </ul>

आशय/अवधारणा/प्रोक्ति/भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
<p><u>व्यंग्य-लेख</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यंग्य लेख निबंध का एक दूसरा रूप है।</li> <li>● व्यंग्य-लेख में हर अभिव्यक्ति का विशेष अर्थ होता है।</li> <li>● कई शब्द ऐसे होते हैं, जिनसे भिन्न-भिन्न अर्थवाले प्रयोग बनाये जा सकते हैं।</li> <li>● लेख के केंद्र-आशय से नारे बना सकते हैं।</li> <li>● नारा संक्षिप्त ताल-युक्त और सामयिक होता है।</li> <li>● नारे जोड़कर पोस्टर तैयार कर सकते हैं।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यंग्य-लेख का वाचन और विश्लेषण</li> <li>● विशेष प्रयोगों का चयन</li> <li>● नारा लेखन</li> <li>● पोस्टर बनाना</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यंग्य-लेख पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>● प्रयोग पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।</li> <li>● नारा बनाता है।</li> <li>● पोस्टर तैयार करता है।</li> <li>● विचार लिखता है।</li> </ul>

## + ॐ॑ ॐ॑-ॐ॑ ॐ॑ ॐ॑ : 1

## अधिगम उपलब्धि :

- चित्र-कथा का विश्लेषण करके आशय प्रस्तुत करता है।
- लेख तैयार करता है।

## आशय / अवधारणा :

- चित्र-कथा में चित्र और कथा का समान महत्व है।
- चित्र-कथा के चित्र, कथा के विस्तार हैं।
- चित्र-कथा में कथा संक्षिप्त रूप से लिखी जाती है।
- प्रकृति का मानवीकरण चित्र-कथा में भी संभव है।
- चित्र-कथा रसीली कथा शैली है।

## मूल्य और मनोभाव :

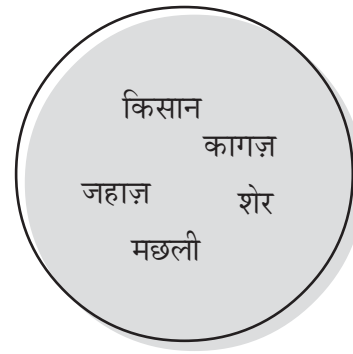
- यह पहचानता है कि प्रकृति में हर प्राणी का अपना अस्तित्व है।

सामग्री : चार्ट

समय : 4 कालांश

## गतिविधि-1

- अनौपचारिक संवाद करें।
- आगे यह चार्ट प्रस्तुत करें।



- एकदम नज़दीकी संबंध रखने वाले शब्दों की जोड़ी बनाने को कहें।
- वैयक्तिक लेखन के बाद प्रस्तुतीकरण का अवसर दें और सही जोड़ी श्यामपट पर लिखें।



- जैसे,

मछली	—	पानी
जहाज़	—	सागर
शेर	—	जंगल
किताब	—	कागज़
किसान	—	खेत

- चर्चा चलाएं।

- प्रत्येक जोड़ी के पहले शब्द का दूसरे शब्द के साथ कैसा संबंध है?
- क्या दूसरे के बिना पहले का कोई अस्तित्व है?

- संक्षिप्तीकरण

**प्रकृति में एक का अस्तित्व दूसरे पर निर्भर है।**

## गतिविधि-2

- कहें,

तो पढ़ें इस विषय पर एक चित्र कथा। (पन्ना 66)

- वाचन प्रक्रिया चलाएं।

- वैयक्तिक वाचन और दल में विचारों का आदान-प्रदान।

- अर्थ ग्रहण के लिए आवश्यक है तो प्रश्न पूछें। जैसे-

- चित्र-कथा के पात्र कौन-कौन हैं?
- सप्तम भूमि में किन-किन के पास गया?
- सप्तम को पेड़ और झरने ने आसरा क्यों नहीं दिया?
- झोंपड़ी में सप्तम उदास क्यों हो गया?

- प्रत्येक प्रश्न पर प्रतिक्रिया करने का अवसर दें। आगे पूछें,

- **चित्र-कथा की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?**

- ▶ इस चित्र-कथा में चित्र की भूमिका क्या है?
- ▶ चित्र और कथा दोनों का एक ही आशय की सूचना देना कहाँ तक उचित है?
- ▶ चित्र-कथा के चित्र कैसे होने चाहिए?

- ▶ चित्र-कथा की कथा कैसी होनी चाहिए?
  - ▶ चित्र-कथा के वाक्यों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
  - ▶ किन-किन प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया जाता है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया के पश्चात आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ चित्र-कथा एक अलग प्रकार की कथा शैली है।
- ◆ उसकी आख्यान शैली की अपनी विशेषताएँ होती हैं।
- ◆ चित्र-कथा में चित्र और कथा का समान महत्व है।
- ◆ कथा को विस्तार से समझने के लिए चित्रों का सहारा लिया जा सकता है।
- ◆ चित्र, कथा की आवृत्ति नहीं होनी चाहिए।
- ◆ चित्र, कथा का और कथा, चित्र का विस्तार है।
- ◆ चित्र-कथा में प्रस्तावना वाक्य, प्रश्न वाक्य, आश्चर्य बोधक वाक्य आदि का प्रयोग किया जाता है।
- ◆ चित्र-कथा की कथा संक्षिप्त रूप में लिखी जाती है।

- चर्चा के लिए बच्चों से ये भी पूछें,
- **इस चित्र-कथा की शैली कैसी है?**
    - ▶ इस चित्र-कथा के पात्र कौन-कौन हैं?
    - ▶ इंद्रधनुष, पेड़ और झरना मनुष्यों की तरह बोलते-बतियाते हैं, सोचते हैं। क्या सचमुच ये ऐसा कर सकते हैं?
    - ▶ बोलना, सोचना आदि किसकी विशेषताएँ हैं?
    - ▶ मानव की ये विशेषताएँ जीव-जंतु पर आरोपित करने की इस शैली को क्या कहते हैं?
    - ▶ मानवीकरण का क्या मतलब है?
    - ▶ इस कथा का बच्चा किसका प्रतिनिधि है?
    - ▶ इंद्रधनुष, पेड़ और झरना किसके हिस्से हैं?
    - ▶ तो यह कहानी किन-किन के बीच का संवाद है?
    - ▶ इंद्रधनुष का अस्तित्व कहाँ संभव है?
    - ▶ क्या आसमान के बिना इंद्रधनुष है?

- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ इंद्रधनुष, पेड़ और झरना प्रकृति के हिस्से हैं।
- ◆ उठना-बैठना, हँसना-रोना, बोलना-बतियाना, सोचना आदि मानवीय गुण हैं।
- ◆ मानवीय गुणों को किसी प्राणी या चीज़ पर आरोपित करने की शैली मानवीकरण कहलाती है।
- ◆ यह एक साहित्यिक शैली है।
- ◆ इस कहानी का बच्चा मानव समाज का प्रतिनिधि है।
- ◆ यहाँ मानव और प्रकृति का संवाद है।
- ◆ प्रकृति में हर चीज़ की अपनी हैसियत है।
- ◆ प्रत्येक का अस्तित्व दूसरों पर भी निर्भर है।

- अनुबंध कार्य के रूप में कहें,
  - आप प्रकृति में प्रत्येक जीव-जंतु के अस्तित्व पर काफ़ी जान चुके है। अब “प्रकृति में मनुष्य का स्थान” विषय पर एक निबंध तैयार करें।
- निबंधों का संकलन करें और विशेषांक निकालें।

### + EdE - VIII EdE : 2

#### अधिगम उपलब्धि:

- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता पर आस्वादन टिप्पणी तैयार करता है।

#### आशय / अवधारणा :

- कविता मन की भावनाओं की स्वाभाविक और काव्यात्मक अभिव्यक्ति है।
- बिंबों और प्रतीकों द्वारा कविता को नया अर्थ-बोध प्राप्त होता है।
- आज के किसान कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं।
- आस्वादन टिप्पणी पाठकों की मौलिक अभिव्यक्ति है।

#### मूल्य और मनोभाव :

- किसान जैसे गरीब लोगों के प्रति हमदर्दी दिखानी है।

#### सामग्री : चार्ट

समय : 4 कालांश

## गतिविधि-1

अनौपचारिक संवाद।

- देश के लिए अन्न कौन पैदा करते हैं?
- अन्न पैदा करने वाले किसानों की आज की स्थिति कैसी है?
- किसान किन-किन प्रकारों की समस्याओं का सामना कर रहे हैं?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
  - पढ़ें ऐसे किसानों पर एक कविता 'इस बारिश में'
- पन्ना सतसठ लेने का निर्देश दें और वाचन प्रक्रिया चलाएँ।
- वैयक्तिक वाचन। (वाचन को आसान बनाने के लिए आप यह चार्ट प्रस्तुत करें)

### आर्द्रा नक्षत्र

सत्ताईस (27) नक्षत्रों में से छठा है आर्द्रा नक्षत्र (ॐॐॐॐॐॐॐॐ)। माना जाता है कि आर्द्रा नक्षत्र में मूसलधार बारिश होगी तथा इस नक्षत्र में खेती का होना अच्छा है।

### कजरी मल्लार

कजरी एक परंपरागत लोकगीत है जो बारिश के मौसम में गाया जाता है। मल्लार (मल्हार) एक हिंदुस्तानी राग है। मल्हार राग में गाये जाने वाले लोकगीत कजरी मल्लार हैं।

- दल में विचारों का आदान प्रदान।
- अर्थग्रहण के लिए आप दलों की मदद करें।
- विश्लेषण के लिए चर्चा चलाएं। आप पूछें,  
 'जिसके पास चली गई मेरी ज़मीन,  
 उसके पास अब मेरी बारिश भी चली गई' इससे आपने क्या समझा?
- आशयग्रहण के लिए ये प्रश्न भी करें।
  - किसान की ज़मीन किसके पास गई होगी?
  - ज़मीन खुद किसी के साथ चली जाती है क्या?
  - किसान की ज़मीन किसने छीनी होगी?

- ▶ ज़मीन आजकल किसके पास है?
  - ▶ बारिश कहाँ होती है?
  - ▶ तो अब बारिश किसके लिए होती है?
  - ▶ भूमिहीन किसानों के लिए बारिश से क्या कोई फ़ायदा है?
  - ▶ तो ज़मीन छीननेवालों के पास बारिश के चले जाने का क्या मतलब है?
  - ▶ भूमिहीन किसान बारिशहीन किसान बन जाने का तात्पर्य क्या है?
  - बच्चों की प्रतिक्रिया।
  - पूछें-
    - **ज़मीन छीनी जाने के बाद किसान की क्या हालत हो गई है?**
      - ▶ ज़मीन के अधिकारी अब कौन है?
      - ▶ जिसके पास ज़मीन नहीं है, वह खेती कर सकता है क्या?
      - ▶ खेती नहीं करने वाले किसान के लिए बैल और हल का कोई मतलब है क्या?
      - ▶ जिसकी अपनी खेती नहीं होती उसके लिए आर्द्रा नक्षत्र और कजरी मल्हार का क्या कोई महत्व है?
      - ▶ खेती नहीं होती तो ओस की हरी बूँद और तोते के आने का कोई अर्थ है?
      - ▶ ज़मीन और खेती से वंचित किसान हर चीज़ से वंचित नहीं होता क्या?
  - चर्चा को आगे बढ़ाएं, आप प्रश्न करें-
    - ‘जिसकी नहीं कोई ज़मीन,  
उसका नहीं कोई आसमान’ इसका क्या मतलब है?
    - ▶ ज़मीन का मालिक होने से आदमी को क्या फ़ायदा है?
    - ▶ स्वतंत्र आदमी क्या-क्या कर सकता है?
    - ▶ आसमान की विशेषता क्या है?
    - ▶ खुला आसमान किसका प्रतीक है?
    - ▶ खुले आसमान के नीचे आदमी की मानसिक स्थिति कैसी हो सकती है?
    - ▶ सपना कौन देख सकता है?
    - ▶ ज़मीन से वंचित आदमी क्या सपना देख सकता है?
    - ▶ तो ‘जिसकी ज़मीन नहीं, उसका कोई आसमान नहीं’ का क्या मतलब है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।

- चर्चा जारी रखें। कविता के विश्लेषण के लिए पूरी कक्षा से और प्रश्न करें-
  - कविता में 'आर्द्रा नक्षत्र', 'कजरी मल्लार' आदि का जिक्र है। इनसे आपने क्या समझा?
    - ▶ खेती और नक्षत्र के बीच क्या कोई संबंध है?
    - ▶ 'आर्द्रा नक्षत्र' की क्या विशेषता है?
    - ▶ 'कजरी मल्लार' किससे संबंधित है?
    - ▶ खेती और लोक-गीत का क्या रिश्ता है?
    - ▶ लोक-गीतों से किसानों के किन मनोभावों का परिचय मिलता है?
    - ▶ यहाँ किसान के लिए 'आर्द्रा नक्षत्र' और 'कजरी मल्लार' कौन-सा अनुभव है?

चर्चा आगे ले जाएँ।

- किसान की ज़मीन छिन जाने के बाद क्या-क्या घटनाएँ घटती हैं?

**ज़मीन छीनने वालों के लिए-**

- ◆ काली घटा घिरती है।
- ◆ कोयलें कूकती हैं।
- ◆ धरती के सोने से सौंधी सुगंध आती है।

**ज़मीन से वंचित किसान के लिए-**

- ◆ बैल और हल, खेतों की गैल, हरी बूँद, तोते, ताल, नदी, आर्द्रा नक्षत्र, कजरी मल्लार आदि नहीं रह जाते।
- ◆ अपना कोई आसमान नहीं रह जाता।
- ◆ कर्ज चुकाने का सपना भी नहीं रह जाता।

अब पूछें-

- क्या इन सारी घटनाओं की प्रत्येक घटना अकेली है?
- ज़मीन छिन जाने के बाद हुई घटना कब घटती है?

कोई भी घटना अकेली नहीं, वे सभी आपस में जुटी हुई हैं।

आप प्रश्न करें-

- ज़मीन छिन जाने के पहले क्या-क्या घटित होंगी?
  - ▶ किसान की ज़मीन अब किसके पास होगी?
  - ▶ अमीरों को ज़मीन कैसे मिली होगी?
  - ▶ किसानों से ज़मीन छीनने के लिए अमीरों को किन-किन की मदद मिली होगी?

- ▶ किसानों की ज़मीन अमीरों के हाथ जाने का माहौल कैसे बनता है?
- ▶ इस प्रकार के अन्याय के प्रति लोगों का व्यवहार कैसा होता है?
- ▶ अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने के बजाय चुप रहना कहाँ तक उचित है?
- ▶ मानसिक गुलामी में रहनेवाली जनता से क्या कभी कोई उम्मीद हम रख सकते हैं?
- ▶ एक घटना घटने के पहले भी कई बात हुई होंगी। क्या आप इससे सहमत नहीं हैं?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- कविता का पुनर्वाचन और अध्यापिका का वाचन।
- चुनिंदे छात्रों द्वारा वाचन।
- लेखन प्रक्रिया।

## गतिविधि-2

आप पूछें-

**आपने कविता पर काफ़ी गहरी चर्चा की है। यह कविता किसके दृष्टिकोण में लिखी गई है?**

- छात्रों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया। आप मदद के लिए ये प्रश्न करें।
  - यहाँ का किसान स्वयं कवि तो नहीं है। कवि किसका प्रतिनिधि है?
  - तो यह कविता असल में किसकी आवाज़ है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया। कहें-
  - आप कविता की समीक्षा करें और अपने विचार प्रस्तुत करें।
  - एक निबंध के रूप में प्रस्तुत करें।

निबंध लेखन की प्रक्रिया चलाएँ।

- वैयक्तिक लेखन
- चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति
- स्व-आकलन सामग्री प्रस्तुत करता है
- स्व आकलन की सूचना टीचिंग मानुअल में लिखें।

चर्चा चलाएँ।

- आस्वादन टिप्पणी कैसे लिखी जाती है?
- भूमिका में क्या-क्या होने चाहिए?
- विश्लेषण कैसे किया जाता है?

- अपना दृष्टिकोण और विचार कहाँ, कैसे प्रस्तुत करें?
- निबंध की शैली और रूपरेखा है?
- शीर्षक ज़रूरी नहीं है क्या?

बच्चों की प्रतिक्रिया के पश्चात आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ आस्वादन टिप्पणी में भूमिका, विश्लेषण और उपसंहार लिखना ज़रूरी है।
- ◆ भूमिका में कवि, कविता और विषय का परिचय दें।
- ◆ भूमिका की शुरुआत अपनी-अपनी शैली में लिखें।
- ◆ कविता के विश्लेषण में कविता का आशय, भाषा, रूप-रचना आदि की समीक्षा होनी चाहिए।
- ◆ अपने तर्क के समर्थन के लिए कविता से उदाहरण प्रस्तुत करें।
- ◆ उपसंहार में कविता पर अपना विचार रखें।
- ◆ कविता में प्रयुक्त बिंब, प्रतीक, तुक, अनुप्रास आदि का ज़िक्र करें।
- ◆ कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी करें।
- ◆ निबंध को उचित शीर्षक दें।

- चर्चा के उपरांत निबंध का संशोधन करने का प्रदत्त कार्य दें और निबंधों का संकलन कर विशेषांक निकालें।

### गतिविधि-3

- अतिरिक्त वाचन की 'मरना' कविता पढ़ने को कहें।
- आशय ग्रहण के लिए आवश्यक मदद दें।
- कविता पर अनुबंध कार्य करने को कहें।

### +ÉvÉvÉ-É-ÉvÉvÉ : 3

#### अधिगम उपलब्धि :

- व्यंग्य-लेख पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- प्रयोग पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- नारा बनाता है।



- पोस्टर तैयार करता है।
- विचार लिखता है।

**आशय / अवधारणा :**

- व्यंग्य लेख निबंध का दूसरा रूप है।
- व्यंग्य-लेख में हर अभिव्यक्ति का विशेष अर्थ होता है।
- कई शब्द ऐसे होते हैं, जिनसे भिन्न-भिन्न अर्थवाले प्रयोग बनाये जा सकते हैं।
- लेख के केंद्र-आशय से नारे बना सकते हैं।
- नारा संक्षिप्त ताल-युक्त और सामयिक होता है।
- नारे जोड़कर पोस्टर तैयार कर सकते हैं।

**मूल्य और मनोभाव :**

- पानी का महत्व समझकर उसके संरक्षण के कार्य करते हैं।

**सामग्री :** चार्ट

**समय :** 4 कालांश

### गतिविधि-1

- अनौपचारिक संवाद।
- आप कविता का यह अंश पेश करें।

पानी की है कमी इस कदर,  
सूख गई है झीलें।  
दरक गई उपजाऊ भूमि  
ताल रहे न गीले।  
नदियों कुओं तालाबों से  
रूढ़ गया है पानी।  
कहते हैं कुछ समझदार  
यह है अपनी नादानी।

चर्चा चलाएं।

- पानी की कमी से झीलों को क्या हुआ?
- उपजाऊ भूमि और तालाब की क्या हालत हुई?

- नदियों, कुओं, और तालाबों के साथ पानी कैसा व्यवहार करता है?
  - समझदार/ बुद्धिमान लोग इस समस्या का कारण किसे मानते हैं?
- चर्चा के ज़रिए आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- पानी की कमी से हम भयानक संकट में पड़ सकते हैं।
- इससे समस्याओं पर समस्याएँ बनती जाएंगी।

## गतिविधि-2

आप कहें-

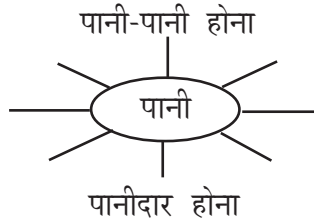
- पढ़ें इस पर एक व्यंग्य-लेख 'जल बैंक'।
- वाचन प्रक्रिया।
  - (“ बाल्टी-बाल्टी पानी.....चक्र वृद्धि ब्याज शुरू) पन्ना-70-71
- वैयक्तिक वाचन।
- दल में विचारों का आदान प्रदान।
- अर्थ-ग्रहण के प्रश्न। (आवश्यक है तो दलों से पूछें) जैसे -
  - लेखक ने कौन-सा सपना देखा?
  - सपने के बैंक की विशेषता क्या है?
  - दस बाल्टी पानी जमा करने से एक महीने के बाद बैंक में कितना बाल्टी पानी रहेगा?
  - सावधिक जमा योजना के तहत दस बाल्टी के लिए एक साल में कितना बाल्टी सूद मिलता है?
  - पानी की उपलब्धि के संबंध में आजकल प्रचलित झूठ क्या है?
  - पड़ोसी क्या कहते फिरते है?
  - ऋण पर पानी देने की पद्धति क्या है?
- बच्चों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।
- विश्लेषण के लिए ये प्रश्न पूछें:
  - “चप्पे-चप्पे पर जल बैंक खुल गए हैं।” लेखक की इस कल्पना के पीछे भविष्य का कौन-सा संकेत है?
    - ▶ बैंक का काम क्या है?

- ▶ बैंक में पैसा जमा करने से क्या फायदा है?
  - ▶ ऋण लेने से क्या नुकसान है?
  - ▶ बैंक में पैसा जमा करनेवाला कौन है?
  - ▶ ऋण कौन लेते हैं?
  - ▶ तो किसे ज़्यादा फायदा है?
  - ▶ जल बैंक में कौन पानी जमा कर सकता है?
  - ▶ किसको पानी उधार में लेने पड़ेगा?
  - ▶ पानी का जमा और लोन होने से पानी क्या हो जाएगा?
  - ▶ पानी भी को बिकाऊ होना कहाँ तक सही है?
  - ▶ जल बैंक की यह कल्पना क्या अच्छा संकेत है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया। आप पूछें-
    - “...घर में पीने के वास्ते भी एक भी बूँद नहीं है।” लोग ऐसा झूठ क्यों बोलते हैं?
      - ▶ क्या पानी हर कहीं पर्याप्त मात्रा में है?
      - ▶ क्या सभी को पेय जल उपलब्ध है?
      - ▶ अगर पानी नहीं है तो ज़रूरतमंद लोग क्या करेंगे?
      - ▶ जिसके पास पानी पर्याप्त है, वे अकाल के मौसम में दूसरों को देने तैयार होंगे? तो ऐसे लोग झूठ क्यों बोलते हैं?
  - आवश्यक है तो आप पाठभाग का सस्वर वाचन करें और चुनिंदा छात्रों द्वारा सस्वर वाचन करवाएं।

### गतिविधि-3

आगे यह कार्य करवाएं। आप पूछें:

- ‘पानी’ एक शब्द है। क्या इस शब्द का प्रयोग हमेशा एक ही अर्थ में होता है?
- ‘पानीदार होना’, ‘पानी-पानी होना’ आदि का क्या मतलब है?
- पानी शब्द का पदसूर्य बनाने का कार्य करवाएं।



- वाचन प्रक्रिया जारी
  - “आपकी बेटी-दामाद...उंगलियाँ पानी में।”
- व्यक्तिगत वाचन।
- दल में विचारों का आदान-प्रदान।
- अर्थग्रहण के लिए आवश्यक है तो दलों से प्रश्न पूछें। जैसे :
  - दूर के बेटी-दामाद को पानी भिजवाने के लिए जल-बैंक में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं?
  - ए.टी.एम सेंटर से पानी कैसे भिजवा सकते हैं?
  - जल-बैंक के खाते कौन-कौन से हैं?
  - खाता खोलने के लिए किन-किन कागजातों की ज़रूरत है?
- विश्लेषण के लिए आप पूरी कक्षा से पूछें :
  - “खाता खुला नहीं कि आपकी चारों उंगलियाँ पानी में।” -इस प्रयोग से आपने क्या समझा ?
    - ▶ एक हाथ की कितनी उंगलियाँ होती हैं?
    - ▶ पाँच उंगलियों में चार का पानी में डूबे जाने से क्या तकलीफ़ होती है?
    - ▶ तो ‘चारों उंगलियाँ पानी में’ का क्या मतलब है?
    - ▶ जल-बैंक में खाता खोलने से क्या फायदा होता है?
    - ▶ जल-बैंक में खाता न खोलने से क्या नुकसान होगा?
    - ▶ तो “खाता खुला नहीं कि आपकी चारों उंगलियाँ पानी में।” -का क्या मतलब होगा?
- छात्रों की प्रतिक्रिया
- आप पाठ भाग का सस्वर वाचन करें।  
(पढ़ते वक्त उतार-चढ़ाव, बलाघात-स्वराघात, अनुतान आदि पर ध्यान दें।)
- चुनिंदा छात्रों से वाचन करवाएं।

### गतिविधि-4

आप कहें:

- इस लेख में बैंक के कारोबार से संबंधित कितने शब्द हैं?  
उनका संकलन करें।

जैसे-

जमा  
सूद  
सावधिक जमा योजना  
ड्राफ्ट  
एम टी टी टी  
ए टी एम  
ब्रांच

लोन  
सौदा  
ऋण  
मूल सूद  
चक्रवृद्धि व्याज  
चेक बुक  
सादा खाता

### गतिविधि-5

- अब आप यह नारा प्रस्तुत करें।

“जय जवान, जय किसान”

- पूछें,
  - इसका आशय क्या है?
  - यह नारा किसने लगाया था?
  - कब लगाया था?
  - यह नारा क्यों लगाया था?
  - इसमें कितने शब्द हैं?
  - इन शब्दों से क्या आशय मिलता है?
  - शब्दों का क्रम कैसा है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

#### संक्षिप्तीकरण

- ◆ नारा संक्षिप्त और तालयुक्त है।
- ◆ नारे की अपनी शैली है।
- ◆ नारे का आशय गहरा है।
- ◆ नारा परिस्थिति के अनुसार बनता है और रूपायित होता है।

आप कहें

जल का संरक्षण इस ज़माने की आवश्यकता है।  
तो आप बनाएं जल संरक्षण पर नारे। पन्ना 72 देखें-

- लेखन कार्य
- वैयक्तिक लेखन
- दल में विचार-विनिमय और परिमार्जन
- अध्यापिका की प्रस्तुति
- संशोधन कार्य
- अन्य नारों का संकलन कराएं और विशेषांक निकालें।

## गतिविधि-6

आगे चर्चा चलाएँ।

- आपने जल संरक्षण के नारे बनाए  
आगे हम नारों की मदद से पोस्टर तैयार करें।

- लेखन कार्य
- वैयक्तिक लेखन और चुनिंदा छात्रों की प्रस्तुति
- पोस्टर की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ। पूछें,
  - पोस्टर किस उद्देश्य से बनाया जाता है?
  - पोस्टर कितने प्रकार के होते हैं?
  - क्या हर जगह एक ही प्रकार के पोस्टर चिपकाए जाते हैं?
  - पोस्टर का शीर्षक कैसा होना चाहिए?
  - पोस्टर के संदेश वाक्यों/वाक्यांशों की शैली कैसी हो?
  - पोस्टर में चित्रों की भूमिका क्या है?
  - रूप-संयोजना कैसी होनी चाहिए?
  - रंगों का इस्तेमाल किस प्रकार होना चाहिए?

- आप संक्षिप्तीकरण करें-

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ संदेशों, सूचनाओं आदि के संप्रेषण के लिए पोस्टर तैयार किया जाता है।
- ◆ पोस्टर कई प्रकार के होते हैं।  
जैसे
  - संदेशवाहक
  - कार्यक्रम संबंधी
  - सूचनापरक आदि।
- ◆ शीर्षक को पोस्टर के संपूर्ण आशय को सूचित करनेवाला होना चाहिए।
- ◆ पोस्टर के पाठ और चित्र आपसी संबंध रखनेवाले हो।
- ◆ रूप-सज्जा (Layout) पोस्टर के संदेशों के संप्रेषण के अनुकूल हो।  
जैसे-
  - संदेश-वाक्य या शीर्षक मोटे व रंगीले अक्षर में हो।
  - पोस्टर पाठों और चित्रों से भरा या खचाखच भरा न हो।
- ◆ पोस्टर में रंगों का मेल अनिवार्य है।

- दलों में चर्चा करें और परिमार्जन करें।
- दलों द्वारा प्रस्तुति।
- अपनी प्रस्तुति और संशोधन।

# <Eđ<Ç5



## ज़िंदगी की बुनियाद है बचपन

**दुनिया** कितनी ही बदल जाए, लोग कितने ही व्यस्त हो जाए लेकिन बचपन के दिन याद आते हैं तो अनजाने ही होठों पर मुस्कराहट छा जाती है। उस समय की नादानियों की वजह से की गई नटखट गलतियाँ आज भी गुदगुदाती हैं। 'बचपन' यादों की उस पोटली की तरह है, जिसे खोलने पर हमेशा भीनी-भीनी खुशबू महक उठती है। मानव के जीवन की बुनियाद बचपन है। बचपन की वे आदतें चाहे अच्छी हो या बुरी, वे क्षमताएँ, वे विश्वास, वे खूबियाँ, वे कमियाँ जो बचपन में हासिल होती हैं, उसी नींव पर पूरी ज़िंदगी गुज़र जाती है।

यह इकाई बचपन का एक आईना है जिसे कहानी, साक्षात्कार और एक गीत से समायी गयी है। यहाँ बच्चों को डायरी लिखने, रपट तैयार करने और गीत का दृश्याभास करने का अवसर दिया गया है। ध्यान दें कि यह इकाई आठवीं-नौवीं कक्षाओं का संगम है। छात्रों को पढ़ाई का अगला सोपान चढ़ने का आत्मविश्वास यहाँ से प्राप्त होना चाहिए। इसलिए आप खुले मन से गतिविधियाँ तैयार करें और आगे बढ़ें। एक बार फिर आपको शुभकामनाएं!



इकाई रूपरेखा

+Éŋʼé/veŋʼé/ ééŋʼé/;ééé iéi é	Éŋʼéŋʼé +Évŋʼé É Néŋʼé Évé	+Évŋʼé É = (Éŋʼévé
<p><b>Eö/ŋʼéö</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• VÉö Évé "Éa° ééŋʼé Évé, °éSSé&lt;Ç "Éŋʼéŋʼé +Évŋʼé Évé "É/ŋʼé É(Éŋʼé, °IÉvé 1/ŋʼé</li> <li>• =±±ÉäÉvéŋʼé ÉŋʼéÉä Édä +Éi"Évéŋʼé ö ŋʼéä Éö "Éa  É°iÉöÉ ÉöŋʼéÉ bÉŋʼé ÉöÉ É ÉŋʼéŋʼéÉ 1/ŋʼé</li> <li>• ;ééŋʼé "Éa É Éŋʼéŋʼéŋʼé ŋʼéŋʼéä ÉöÉ =ÉbÉ  ÉöÉÉÉÉ 1/ŋʼé</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Eö/ŋʼéö Évé "ÉSÉvé</li> <li>• bÉŋʼé É+ÉJÉvé</li> <li>• {ÉÉ q ÉÉŋʼé °Éa É Éŋʼéŋʼéŋʼé ŋʼéŋʼé SÉöÉvé</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Eö/ŋʼéö {ÉgÉöŋʼé ü +Éŋʼéŋʼé  É°iÉöÉ ÉöŋʼéÉ 1/ŋʼé</li> <li>• Eö/ŋʼéö Éö +Éŋʼéŋʼé Éä +Évŋʼéŋʼé {Éö bÉŋʼé É+ÉJÉvé 1/ŋʼé</li> <li>• É Éŋʼéŋʼéŋʼé +Éöŋʼé Éŋʼéŋʼéä Édä +±Éŋʼé ÉöŋʼéÉ É+ÉJÉvé 1/ŋʼé</li> </ul>
<p><b>°ééŋʼéÉÉÉ</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• °Éŋʼéŋʼéä Édä °ééÉöŋʼé Éöŋʼéä Éö É+ÉB Évé äÉ {ÉŋʼéÉ É ÉöŋʼéÉ SÉŋʼéŋʼé*}</li> <li>• °ÉŋʼéŋʼéÉÉÉ Éŋʼéŋʼéŋʼé +Éöŋʼéŋʼé É+ÉÉ 1/ŋʼéÉ BEö +SUö &lt;xÉ°Évé Éö É+ÉB VÉ°üŋʼé 1/ŋʼéÉ 1/ŋʼé</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• °ééŋʼéÉÉÉ Évé "ÉSÉvé</li> <li>• Éŋʼé]ö iÉŋʼéÉ ÉöŋʼéÉ</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• °ééŋʼéÉÉÉ {ÉgÉöŋʼé +Éŋʼéŋʼé  É°iÉöÉ ÉöŋʼéÉ 1/ŋʼé</li> <li>• Éŋʼé]ö É+ÉJÉvé 1/ŋʼé</li> </ul>
<p><b>NÖÉ</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>•  ÉiÉöŋʼéÉ Évŋʼéŋʼéö Édä +Éŋʼéä Égŋʼéö 1/ŋʼé</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• NÖÉ Évé +É+ÉÉ(Évé ÉöŋʼéÉ</li> <li>• NÖÉ Évé öŋʼéŋʼéŋʼéÉ ÉöŋʼéÉ</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• NÖÉ Évé öŋʼéŋʼéŋʼéÉ ÉöŋʼéÉ 1/ŋʼé</li> </ul>

## + ॐ[ॐ] ॐ[ॐ] ॐ[ॐ] ॐ[ॐ] : 1

## अधिगम उपलब्धि:

- कहानी ॐ[ॐ] आशय प्रस्तुत करता है।
- विश्लेषणात्मक प्रश्नों पर प्रतिक्रिया करता है।
- कहानी के आशय के आधार पर डायरी लिखता है।
- विशेषण और संज्ञा शब्दों को अलग करके लिखता है।

## आशय / अवधारणा:

- जीवन में स्वाभिमान, सच्चाई, मेहनत आदि का महत्वपूर्ण स्थान है।
- उल्लेखनीय बातों को आत्मनिष्ठ शैली में प्रस्तुत करना डायरी की विशेषता है।
- भाषा में विशेषण शब्दों की बड़ी भूमिका है।

## मूल्य और मनोभाव:

- जीवन में स्वाभिमान, सच्चाई, मेहनत आदि को अपनाना है।

सामग्री : चार्ट

समय : 12 कालांश

## गतिविधि-1

आप यह पहेली चार्ट पर प्रस्तुत करें

जब न कोई होते पास मेरे अपने  
करती हूँ उससे बातें और मेरे सपने  
दूर नहीं, सदा रहता अंदर अपने  
'नाम' में ही है पूरे अक्षर उसके अपने

- पूछें-
  - क्या आप यह पहेली बुझा सकते हैं?
- सहायक प्रश्न-
  - जब आदमी अकेले होता है तब वह किससे बातें करता है?
  - हमारे अंदर ऐसी कौन सी चीज़ है जिसका कोई रूप नहीं?
  - 'नाम' शब्द से कौन-कौन से शब्द बना सकते हैं?
- छात्रों की प्रतिक्रिया। वांछित उत्तर-(मन)। पूछें :

- ठीक है, आपका मन क्या-क्या चाहते हैं?
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें। आप कहें-
  - इसी प्रकार हर व्यक्ति की अपनी-अपनी चाहें होती हैं। हम देखें रेपाला नामक लडकी की चाहत क्या है।
- पन्ना पचहतर लेने का निर्देश दें और रेपाला की चिट्ठी पढ़ने को कहें।
- उसकी चाह पर चर्चा चलाएं।

## गतिविधि-2

आप कहें-

- हमारे मन में अनेक चाहतें हैं, वे भी अलग-अलग। हम पढ़ें एक कहानी 'सफेद गुड़'।
- “दूकान पर सफ़ेद गुड़ रखा था..... कि ईश्वर ज़रूर उसे गुड़ देगा”** ( पन्ना-अस्सी, इक्यासी) भाग का वाचन करने का निर्देश दें।
- वैयक्तिक वाचन तथा दल में विचारों का आदान प्रदान।
  - आशय ग्रहण केलिए दलों से प्रश्न करें। यथा,
    - मन मसोसकर रह जाना से क्या तात्पर्य है
    - 'माँ बैठी फटे कपडे सी रही थी' इससे आप क्या समझते हैं?
    - ईश्वर के संबंध में लड़के के विचार क्या-क्या हैं?
  - पूरी कक्षा से आप प्रश्न करें:
    - माँ के आसमान की ओर देखने का क्या कारण होगा?
    - “वह अपने को धिक्कारने लगा और इस बुरे ख्याल केलिए ईश्वर से माफी माँगने लगा।”- यहाँ लड़के का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है।
  - चर्चा के बाद आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, सुराघात-बलाघात के साथ वाचन करें।
  - चुनिंदा छात्रों से सस्वर वाचन करवाएं।

## गतिविधि-3

पन्ना-बयासी का **“वह तेज़ी से उठा..... मुझे पैसे दो, यहीं इस वक्त”** भाग का वाचन करने का निर्देश दें।

- छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें।

- दलों में आशयों का आदान-प्रदान करें।
- आप दलों को आवश्यक मदद दें। आवश्यक है तो प्रश्न करें, जैसे-
  - माँ ने लड़के को किसके लिए बाज़ार भेजा?
  - उसे क्यों ऐसा लगा कि ईश्वर ने उसकी पुकार सुन ली है?
  - बाज़ार का रास्ता कैसा था?
  - वह खेतों में कैसे चला जा रहा था?
  - ईंटों की गली का माहौल कैसा था?
  - लड़के ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की?
- दलों की प्रतिक्रिया से आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों में आशयग्रहण हो रहा है।
- आप हाव-भाव, उतार-चढ़ाव, सुराघात-बलाघात के साथ वाचन करें।
- चुनिंदा छात्रों से सस्वर वाचन करवाएं।

### गतिविधि-4

आप पूछें-

- क्या ईश्वर ने उसे गुड़ दिया होगा?
- क्या, उसकी इच्छा की पूर्ति हुई होगी?
- देखें, आगे क्या हुआ है?

“वह वहीं गली में.....लेकिन अब वह ईश्वर से कुछ नहीं माँगता।” भाग का (पन्ना तिरासी, चौरासी) वाचन करने का निर्देश दें।

- छात्र दलों में चर्चा करें।
- आप प्रश्नों के ज़रिए दलों की मदद करें। जैसे-
  - ‘उल्लास की बिजली उसके शरीर में दौड़ गयी’- कहानीकार ने ऐसा क्यों कहा?
  - ‘उसका चेहरा एकदम से काला पड़ गया, सिर घूम गया’ - क्यों?
- विश्लेषण के लिए आप पूरी कक्षा से यह प्रश्न करें
 

“उसने ईश्वर से माँगा था, दुकानदार से नहीं। दूसरों की दया उसे नहीं चाहिए”- यहाँ लड़के के किस मनोभाव का परिचय मिलता है?
- चर्चा चलाएं। सहायता के लिए ये प्रश्न भी करें।
  - लड़के की चाहत क्या थी?

- अठन्नी से उसने क्या खरीदना चाहा था?
  - अठन्नी के गायब होने पर उसे कैसा अनुभव हुआ?
  - अठन्नी को बचाने में असफल ईश्वर के बारे में उसका विचार क्या था?
  - दुकानदार के द्वारे दिए गुड़ का इनकार करते समय उसे रोना क्यों आया?
  - उसने ईश्वर से माँगा था, दुकानदार से नहीं।-इसका मतलब क्या है?
  - मात्र ईश्वर की दया चाहनेवाले लड़के का मनोभाव कैसा था?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
  - अपना वाचन तथा चुनिंदे छात्रों का सस्वर वाचन।

### गतिविधि-5

- अब लडके की चरित्रगत विशेषताओं पर चर्चा चलाएं।
- स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।
- आप सूची-बद्ध करें।
  - ◆ ईमानदार
  - ◆ आस्तिक
  - ◆ स्वाभिमानी
  - ◆ परिवार प्रेमी
  - ◆ स्वावलंबी
  - ◆ .....
- अनुबंध कार्य के रूप में लडके की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।

सपनों के साक्षात्कार के लिए स्वाभिमान, ईमानदारी आदि पर ज़ोर देकर कठिन मेहनत करनी चाहिए।

### गतिविधि-6

आप पूछें:

- लडके की इच्छा क्या थी?
- क्या उसकी पूर्ति हुई?
- अब उसके मन के विचार क्या-क्या होंगे?

- उसके विचारों को डायरी के रूप में लिखें।
- वैयक्तिक रूप से लिखने का पर्याप्त समय दें।
- दो- तीन छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।
- डायरी की विशेषताओं पर चर्चा चलाएं।
- चर्चा के लिए इन प्रश्नों का सहारा लें।
  - डायरी में किसका विचार होता है?
  - लिखते समय लिखने वाले पर असर डालने वाली बातें कौन-कौन सी हैं?
  - एक आदमी को हर दिन एक ही प्रकार का अनुभव हुआ करता है क्या?
  - तो हर आदमी क्या हमेशा एक प्रकार की डायरी लिखेगा?
  - क्या, एक ही घटना पर हर आदमी का विचार और दृष्टिकोण एक ही होता है कभी?
  - ऐसे में सभी लोगों की डायरी एक ही प्रकार की होती है क्या?
  - क्या, कभी डायरी में केवल एक ही दिन की बातें होती हैं?
  - डायरी में सूचित घटनाओं/विचारों का, पिछले दिनों या आनेवाले दिनों के साथ कोई संबंध होगा क्या?
  - क्या, हमारे मन के विचारों का हमेशा कोई क्रम होता है?
  - मन की बातों को रेखांकित करने वाली डायरी की रूपरेखा कैसी होगी?
  - क्या, हर आदमी की डायरी की रूपरेखा एक ही प्रकार की होगी?
  - क्या, मन के भावों को एक प्रकार के वाक्यों में व्यक्त किया जाता है?
  - ऐसी स्थिति में डायरी में किन-किन प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया जाता है?
  - अपने अनुभव, मनोभाव और दृष्टिकोण के अनुसार लिखी जाने वाली डायरी की भाषा कैसी होती है?
  - क्या हर आदमी की निजी भाषा एक ही प्रकार की होगी?
  - तो डायरी की भाषा की शैली कैसी होगी?
  - क्या, डायरी एक ही दिन लिखी जाती है?
  - क्या, डायरी में उसकी सूचना देनी नहीं है?
- हर एक प्रश्न से छात्र प्रतिक्रिया करें तथा आप संक्षिप्तीकरण करें:

## संक्षिप्तीकरण

- डायरी में लिखने वाले का विचार व्यक्त किया जाता है।
- लिखने वाले पर उनके निजी अनुभव, विचार, दृष्टिकोण, आसपास का वातावरण आदि का असर पड़ता है।
- एक आदमी का अनुभव हमेशा एक ही प्रकार का नहीं होता। समय और वातावरण के अनुसार उसका अनुभव भिन्न हो सकता है। इसलिए उसकी डायरी हमेशा एक ही प्रकार की नहीं होगी।
- एक घटना पर लोगों का विचार और दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है इसलिए सभी लोगों की डायरी एक ही प्रकार की नहीं होती।
- डायरी में व्यक्त विचारों या घटनाओं का, भूत और भविष्य के साथ संबंध हो सकता है।
- हमारे मन में विचारों का कोई क्रम नहीं होता इसलिए ज़रूरी नहीं कि डायरी में विचारों को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करें।
- डायरी व्यक्तिगत है इसलिए उसकी रूपरेखा की भी व्यक्तिगत विशेषताएँ होंगी।
- हमारे मन में खुशी, गम, आकांक्षा आदि भावों का संचार होता है। डायरी में इसकी सूचना अवश्य मिलती है।
- डायरी में प्रस्तावना वाक्य, आश्चर्य बोधक, प्रश्नवाचक, वाक्यांश, अपूर्ण वाक्य आदि वाक्यों के कई रूपों का प्रयोग किया जाता है।
- हर आदमी की निजी भाषा होती है और वह दूसरों से भिन्न भी है।
- डायरी की भाषा आत्मनिष्ठ होती है।
- डायरी में तारीख की सूचना देना उचित होगा।

- पन्ना छियासी का आकलन कार्य करने का निर्देश दें।
- चर्चा से प्राप्त अवधारणा के आधार पर छात्रों को अपनी वैयक्तिक उपजों को परिमार्जित करने का निर्देश दें।
- छात्रों की डायरियों का विशेषांक निकालें।

## गतिविधि-7

- आप छात्रों को 'वह सुबह कभी तो आएगी' गीत पढ़ने का निर्देश दें।
- गीत का आलाप करने का निर्देश दल को दें।
- (आप गीत का ऑडियो सुनाएं)
- गीत के दृश्याभास की तैयारी का कार्य चलाएं।

## गतिविधि-8

आप यह चार्ट प्रस्तुत करें।

छोटा लड़का खेलता है।  
 बड़े लड़के पढ़ते हैं।  
 छोटी लड़की सोती है।  
 बड़ी लड़कियाँ गाती हैं।

- बच्चों को पढ़ने का अवसर दें। आगे पूछें:
  - बच्चो, इन वाक्यों में रेखांकित शब्द कौन-कौन से हैं?
  - प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्दों के बीच क्या संबंध है?
  - किसी विशेषता को सूचित करने वाले शब्द को क्या कहते हैं?
  - जिसकी विशेषता बताई जाती है उसे क्या कहते हैं?
  - विशेषण और विशेष्य के बीच का संबंध कैसा है?
  - विशेष्य सूचक शब्द का अर्थ निर्धारित करनेवाली बातें क्या-क्या है?
  - विशेष्य सूचक शब्द के लिंग-वचन के अनुसार विशेषण में क्या परिवर्तन आता है?
- बच्चों की प्रतिक्रिया के दौरान आप संक्षिप्तीकरण करें।

- ◆ किसी चीज़ या व्यक्ति की विशेषता को सूचित करनेवाला शब्द विशेषण है।
- ◆ जिसकी विशेषता बताई जाती है वह विशेष्य है।
- ◆ विशेष्य है, इसलिए विशेषण है।
- ◆ लिंग और वचन के अनुसार विशेष्य का अर्थ बदलता है।
- ◆ विशेष्य के लिंग-वचन के अनुसार विशेषण का रूप बदलता है।



- आगे पन्ना पचासी की गतिविधि करवाएं।
- छात्र वाचन करें।
- पाठभाग से विशेषण और विशेष्यों का चयन करके खंभे की पूर्ति करें।

## गतिविधि-9

संबंध कथन:

- बच्चो, आपने अब्रहाम लिंकन के बारे में पढ़ा है न?
- अब्रहाम लिंकन कौन थे?
- उनका बचपन कैसा था?
- उन्होंने अपनी पढ़ाई कैसे की?
- कठिनाइयों का सामना करते हुए वे कहाँ तक पहुँचे?
- ऊँचे स्थान तक पहुँचने के लिए किसकी ज़रूरत होती है?
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

‘ऊँचे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करना ज़रूरी है।’

- आगे कहें
  - कठिन परिश्रम करने से सपना साकार हो जाएगा।  
पढ़ें ऐसा एक अनुभव।
- पन्ना सत्तासी का साक्षात्कार पढ़ने का निर्देश दें।  
 (“माउंट एवरेस्ट की चोटी पर..... उन्हें मानना पड़ा।”)
- वैयक्तिक वाचन।
- दिलों में विचारों का आदान-प्रदान करें।
- आप आवश्यक मदद दें। आप दिलों से प्रश्न करें। यथा,
  - ज़िंदगी में जिज्ञासा का क्या महत्व है?
  - संतोष यादव का पारिवारिक वातावरण कैसा था?
  - अपने स्कूल के बारे में संतोष यादव की यादें क्या-क्या हैं?
  - शादी से बचने के लिए उसने क्या किया?
  - हिमालय चढ़ने की प्रेरणा उन्हें कहाँ से मिली?

- जिस बच्चे को घर में अच्छा प्यार मिलता है, वह किसी भी क्षेत्र में अच्छा कर सकता है।-संतोष यादव के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?
- छात्रों की प्रतिक्रिया।
- आप उचित हाव-भाव के साथ वाचन करें। चुनिंदा छात्रों से सस्वर वाचन कराएं।

## गतिविधि-10

संबंध कथन:

- पहाड़ पर चढ़ने के निर्णय पर संतोष के परिवारवाले नाखुश थे। देखें आगे क्या हुआ।

“माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की अनुभूति..... धरती स्वर्ग कहलाए।” भाग पढ़ने का निर्देश दें।

- छात्र वैयक्तिक रूप से वाचन करें।
- दलों में विचारों का आदान-प्रदान करें।
- अर्थग्रहण के लिए आवश्यक है तो ये प्रश्न करें:
  - एवरेस्ट पर संतोष यादव का अनुभव कैसा था?
  - एवरेस्ट पर उन्हें कौन-कौन से जीव-जंतु दिखाई पड़े?
  - ‘संतुलित दिमाग और संयम अच्छे इंसान के लिए ज़रूरी है।’ इसपर आपकी क्या राय है?
  - समाज को खुश रखने की कल्पना के पीछे संतोष यादव के चरित्र की कौन सी विशेषता प्रकट होती है?
- छात्र प्रतिक्रिया करें।
- आप वाचन करें और छात्रों को वाचन करने का मौका दें।

## गतिविधि-11

आप कहें

- संतोष यादव दो बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाले भारत की पहली महिला है। दूसरी बार उनके एवरेस्ट जीतने पर अखबारों में खबर आयी। **रपट की कल्पना करें और लिखें।**

- छात्र वैयक्तिक रूप से रपट लिखें।
- चुनिंदा छात्रों को प्रस्तुत करने का मौका दें।
- आप रपट की खूबियों पर चर्चा चलाएं। पूछें:
  - रपट से किसकी जानकारी मिलती है?
  - रपट से घटना के संबंध में और क्या-क्या सूचनाएं मिलती हैं?
  - रपट में घटना का विवरण कैसा होना चाहिए?
  - शीर्षक कैसा होना चाहिए?
  - रपट की रूपपरक विशेषताएं क्या-क्या हैं?
  - रपट की भाषापरक विशेषताएं क्या-क्या हैं?
- छात्रों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया।
- आप संक्षिप्तीकरण करें।

### संक्षिप्तीकरण

- ◆ रपट से किसी घटना की जानकारी मिलती है।
- ◆ घटना से संबंधित सारी सूचनाएँ रपट में होनी चाहिए। जैसे-
  - घटना कब हुई
  - घटना कहाँ हुई?
  - घटना कैसे हुई?
  - घटना क्यों हुई?
- ◆ संबंधित व्यक्ति कौन-कौन हैं?
- ◆ घटना का वर्णन वस्तुनिष्ठ होना चाहिए।
- ◆ रपट का शीर्षक संक्षिप्त हो।
- ◆ शीर्षक रपट के आशय का सूचक हो।
- ◆ रपट खंभे (column) में लिखी जाती है और शीर्षक उसी के मुताबिक निर्धारित किया जाता है।
- ◆ रपट की भाषा वस्तुनिष्ठ और स्पष्ट हो, अलंकृत न हो।

- छात्र पन्ना नब्बे का आकलन कार्य करें।
- दलों में चर्चा करके परिमार्जन करें और अपनी रपट प्रस्तुत करें।
- अपनी प्रस्तुति पेश करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

### एवरेस्ट की चोटी पर फिर से भारत का तारा।

रेवाड़ी : माउंट एवरेस्ट की चोटी पर दुबारा पहुँचने वाली भारत की पहली महिला होने का गौरव संतोष यादव को प्राप्त हुआ है। बचपन से ही उनमें निहित निडरता और जिज्ञासा ने उन्हें फिर से माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचाया। उन्हें वहाँ स्नो लेपेर्ड और माउंटन गोट को देखने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ। मई 1992 में उन्होंने पहली बार माउंट एवरेस्ट पर पाँव रखा था। अब एक साल बाद फिर से चोटी पर अपनी मुहर लगायी है। आज उन्होंने भारत की शान को फिर से ऊँचा किया है।